

नई दिल्ली

शुक्रवार

30 अक्टूबर 2026

वर्ष: 13, अंक: 56

पृष्ठ: 08, मूल्य 2 रु०

E-mail

story@sadbhawna.today

sadbhavnatoday@gmail.com

web: www.sadbhawna.today

अंतरिक्ष आधारित तकनीक और नवाचारों से बिहार के...पेज-05

DELHIN/2014/58158

पांच मैचों की श्रृंखला के लिए न्यूजीलैंड पहुंचे...पेज-06



एक नजर

**दिलजीत दोसांझ के
कॉन्सर्ट के दिन मेट्रो
रात 12 बजे तक चलेगी**

नई दिल्ली। दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन (डीएमआरसी) ने जाह्नगराला नेहरू स्टेडियम में दिल्लीजीत दोसांड के 'ऑल इंडिया टूर 2026' कॉन्सर्ट में आने वाले दर्शकों की आवाजाही को आसान बनाने के लिए शुक्रवार को रात 12 बजे तक बढ़ाई है। इसके तहत, सभी मेट्रो लाइनों (एयरपोर्ट एक्सप्रेस लाइन और पैडिड मेट्रो, गुरुग्राम को छोड़कर) पर मेट्रो ट्रेन सेवाओं को सामान्य समय से आगे तक कर रात 12 बजे तक किया जाएगा। यह जानकारी गुरुवार को विज्ञापित के जरिए दी गई। डीएमआरसी की विज्ञापित के मुताबिक, शुक्रवार को कॉन्सर्ट के दिन सभी लाइनों (एयरपोर्ट एक्सप्रेस लाइन को छोड़कर) पर मेट्रो सेवाओं को रात 12:00 बजे तक बढ़ाने की योजना बनाई है। कार्यक्रम खत्म होने के बाद दर्शकों की भीड़ को आसानी से बाहर निकालने के लिए पूरे नेटवर्क पर अतिरिक्त ट्रेनें चलाई जाएंगी। अमरा यात्रियों की संख्या अचानक बहुत बढ़ जाती है, तो गुरुतर पड़ने पर इस्तेमाल के लिए अतिरिक्त ट्रेनें भी तैयार रखी जाएंगी। इसके अलावा, उस दिन सेओओं का समय बढ़ने की वजह से डीएमआरसी मोबाइल ऐप (दिल्ली मेट्रो सारथी) पर वयुआप टिकट खरीदने का समय भी एक घंटे के लिए बढ़ा दिया जाएगा। दर्शकों के आसानी से अंदर आने और बाहर निकलने को सुनिश्चित करने के लिए डीएमआरसी ने जेएलएन स्टेडियम मेट्रो स्टेशन और अन्य महत्वपूर्ण इंटरचेंज स्टेशनों पर विशेष इंतगाम है। यात्रियों का मार्गदर्शन करने और भीड़ को नियंत्रित करने के लिए अतिरिक्त स्टाफ, कस्टमर सर्विस कर्मचारी और कस्टमर फैसिलिटेशन एजेंट तैनात किए जाएंगे। डीएमआरसी के मुताबिक, यात्रियों की सुविधा और सुरक्षा को और बेहतर बनाने के लिए जेएलएन स्टेडियम मेट्रो स्टेशन पर अतिरिक्त सुरक्षाकर्मी तैनात किए जाएंगे। सुरक्षा नियमों का पालन सुनिश्चित करते हुए यात्रियों की आवाजाही को व्यवस्थित रखने के लिए, डी प्रेम मेटल डिक्टर लगा जाएगा और सुरक्षा जांच के इंतगाम में और मजबूत किया जाएगा।

देश के कई राज्यों में भारी बारिश के आसार

नई दिल्ली, १ जून २०११। पछतानी तूफान अर्न्तर्ब के प्रभाव से गण पश्चिमी विश्वोम और दक्षिण अंडमान सागर के पास बने कम दबाव के क्षेत्र के कारण देश के विभिन्न हिस्सों में अगले दो-तीन दिनों के दौरान भारी बारिश, तेज हवाएँ और ओलावृष्टि का अनुमान है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार शुक्रवार को आमतौर पर हल्के बादल छाए रहने के आसार हैं। सुबह से दोपहर तक कई जगहों पर हल्की बारिश और ३०-४० डिग्रीसेल्सियस पर्यंत घंटा की रफ्तार से तेज हवाएँ चल सकती हैं। अधिकतम तापमान २७ से २९ डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान १६ से १८ डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है। शनिवार को भी हल्के बादल छा रहेगें। इस दिन अधिकतम तापमान २८ से ३० डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान १७ से १९ डिग्री सेल्सियस के बीच रह सकता है। आईएमडी के मुताबिक दक्षिण छत्तीसगढ़ और संद दक्षिण ओडिशा के ऊपर बना दबाव कमजोर होकर उत्तरी छत्तीसगढ़ और उत्तर-पश्चिमी ओडिशा के ऊपर एक साधारण निम्न दबाव क्षेत्र में बदलने के आसार हैं। इसके प्रभाव से ३० अक्टूबर को उत्तरी बिहार में कुछ स्थानों पर भारी बारिश होने के आसार हैं।

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

सद्भावना टुड

आवाज़ अधिकार की

आतंकवाद से निपटने का अनुभव आसियान देशों से साझा करेगा भारत: राजनाथ सिंह



के लिए भारत को प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने कहा कि आतंकवाद-रोधी अभियानों में भारत का व्यापक अनुभव केवल कक्षा तक सीमित सैद्धांतिक ज्ञान नहीं है, बल्कि सीमा पर कौी जटिल सुरक्षा चुनौतियों का दशकों तक सीधे सामना करके धरातल पर अर्जित किया गया अनुभव है। उन्होंने कहा कि भारत की प्रत्येक रणनीति को वास्तविक परिस्थितियों में संचालित अभियानों के दौरान परखा गया है, उसके अर्थ अधिक प्रभावी बनाया गया है तथा उसकी उपयोगिता सिद्ध हुई है।

उन्होंने कहा कि भारत को इस सक्रिय और धरातल पर पखे गए सिद्धांत का निर्णायक प्रदर्शन 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान हुआ, जब भारत ने आतंकवादियों को ध्वस्त किया और राज्य प्रयोजित आतंकवादियों विरुद्ध किसी भी प्रकार को समझौता न करने वाला स्पष्ट सीमा निर्धारित की। राजनाथ सिंह ने दोहराया कि भारत आसियान की केंद्रीय भूमिका और सुरक्षा, मुक्त, समावेशी, सुदृढ़ तथा नियम-आधारित हिंद-प्रशांत क्षेत्र को विशेष महत्व देता है, जहां शांति और स्थिरता केवल आकांक्षाएं नहीं, बल्कि सामूहिक प्रतिबद्धता का परिणाम हैं। उन्होंने कहा कि आसियान के साथ भारत का रणनीतिक जुड़ाव दीर्घकालिक है।

और साझा हितों, पारस्परिक सम्मान तथा व्यावहारिक सहयोग पर आधारित हैं। उन्होंने पिछले वर्ष अन्तर्द्वय में कुआलालंपुर में आयोजित दूसरी आसियान-भारत रक्षा मंत्रियों की अनीवारजित बैठक का उल्लेख करते हुए कहा कि इस बैठक में आसियान-भारत व्यापक रणनीतिक साझेदारी के रक्षा एवं सुरक्षा संबंधी पहलुओं और वर्ष 2026 से 2030 के लिए आसियान-भारत कार्य योजना को आगे बढ़ाने की प्रतिबद्धता दोहराई गई थी। रक्षा मंत्री ने भारत-आसियान रक्षा सहयोग को मजबूत करने में युवाओं की भागीदारी के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि दोनों पक्षों की युवा आबादी की समान जनसांख्यिकीय विशेषताएं और आकांक्षाएं अधिक गहरी क्षेत्रीय साझेदारी के लिए मजबूत आधार प्रदान करती हैं। उन्होंने संस्थागत स्तर पर जन-जन के बीच संपर्क बढ़ाने, डिजिटल नवाचार को प्रोत्साहित करने और एडीएमएम-प्लस की पहलों के अनुरूप क्षमता निर्माण को सुविधाजनक बनाने के लिए रक्षा क्षेत्र में एक समर्पित 'यूथ ब्रिज' स्थापित करने का प्रस्ताव रखा। उन्होंने कहा कि युवाओं को सशक्त बनाना और क्षेत्रीय शांति एवं सुरक्षा में योगदान देने के लिए उन्हें अधिक अवसर उपलब्ध कराना 'युवा, शांति और सुरक्षा' की विषयवस्तु के अनुरूप है।

दिल्ली-एनसीआर में पटाखों पर पूर्ण प्रतिबंध से सुप्रीम कोर्ट का इनकार, फैसला सुरक्षित

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने गुरुवार को दिल्ली-एनसीआर में एकटखों पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने से साफ इन्कार करके हुए इस मामले पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया है। जस्टिस एम.एच. सुंदरेश की अध्यक्षता वाली बेंच ने सुनवाई के दौरान स्पष्ट किया कि अदालत व्याहारे पर लोगों की धार्मिक भावनाओं को ठेस नहीं पहुंचाना चाहती इसलिए वह एक संतुलित आदेश पारित करेगी, जिसमें पटखों के प्रकाश और उन्हें जलाने की समय सीमा तय की जा सकती है।

न्यायालय ने दिल्ली सरकार और वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग को फटकर लगाने हुए कहा कि जब तक नियमों को धरातल पर ठीक से लागू नहीं किया जाता तब तक हर साल सिर्फ आदेश जारी करना महज मजाक है। अकेडेमिक एक्सपर्टसाइज बनकर रह जाता है। न्यायालय ने कहा कि वायु प्रदूषण की गंभीर समस्या से निपटने के लिए अफसरों को हाई लेवल और कुछ नये ढंग से सोचना होगा। चूंकि व्यापारी मांग और आपूर्ति के हिस्सा से अवैध रूप से भी पटाखे बेचते हैं



इसलिए सिर्फ पटाखे बेचने पर रोक लगाने से काम नहीं चलेगा। न्यायालय ने याद दिलाया कि दिवाली रोशनी और दीये जलने का त्योहार है न कि पटाखे फोड़ने का। समस्या रोशनी और दीये से नहीं बल्कि पटाखों से निकलने वाली धुँएँ से हैं। न्यायालय ने क्रिकेटर विराट कोहली जैसी हस्तियों और रोल मॉडल को प्रदूषण के खिलाफ अभियान में शामिल करने का सुझाव दिया, ताकि नई पीढ़ी में जागरूकता आए। इससे पहले 30 सितंबर को सुनवाई के दौरान न्यायालय ने कहा था कि पटाखों पर पूरी तरह रोक लगाने से लोगों की भावनाएँ आहत हो सकती हैं इसलिए उन पर पूरी तरह प्रतिबंध लगाया जाएगा और न ही चौबीसों घंटे आतिशबाजी की इजाजत दी जाएगी।

खरगो के आवास पर हुई इंडिया गठबंधन की महत्वपूर्ण बैठक

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडियन गठबंधन के नेताओं की एक नवंबर को खेलाफ गमलिया मैदान में 'बोट चोरी' के खिलाफ होने वाली एक नवंबर की रैली तथा मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर जनता की अदालत में महाभियोग चलाने वाले कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर आज महत्वपूर्ण बैठक हुई। बैठक में प्रस्तावित 'जनता की अदालत में महाभियोग' कार्यक्रमम्हें के स्वरूप, रणनीति और प्रमुख पहलुओं पर चर्चा की गयी। बैठक में इंडिया गठबंधन के कई बड़े नेताओं ने हिस्सा लिया। सूत्रों के अनुसार मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर जनता की अदालत में महाभियोग चलाने के लिए आयोजित कार्यक्रम को अचलता कर सकती हैं। खरो मूख चुनाव आयुक्त के खिलाफ प्रस्तावित महाभियोग प्रस्ताव पेश करेंगे महाअभियोग के दौरान गठबंधन के चयन दलों के प्रतिनिधि अपनी बात खरो खरो और ज्ञानेश कुमार के खिलाफ आरोपों की सूची प्रस्तुत की जायेगी।

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम (एनसीडीएस) के लिए अगले 25 वर्षों का व्यापक रोडमैप तैयार करने का निर्देश देते हुए गुरुवार को कहा कि सहकारी क्षेत्र व प्रशासन पेशेवर होना चाहिए, जबकि उसका दृष्टिकोण सहकारिता के मूल सिद्धांतों पर आधारित रहना चाहिए।

शाह ने यहाँ एनसीडीसी की 93वाँ महापरिषद की बैठक की अध्यक्षता का हवाएँ सँथाल कर ढाँचे, वित्तीय संसाधन जुटाने, कामकाज में सुधार और भावी कार्यकारी संस्थाओं की समीक्षा के लिए सहकारी क्षेत्र के अनुभवी प्रतिनिधियों तथा पेशेवर विशेषज्ञों समूह गठित करने का सुझाव दिया उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 'सहकार से समृद्धि' के दृष्टिकोण को अनुरूप सहकारिता को विकास का ऐग सशक्त माध्यम बनाना है, जिसका लाभ समाज के हर वर्ग तक पहुँचे। सहकारी मंत्रालय की स्थापना के बाद से 20 अक्टूबर तक एनसीडीसी ने देशभर सहकारी संस्थाओं की कुल 4.14 लाख



करोड़ रुपये से अधिक की वित्त सहायता वितरित की है। वित्त 2025-26 में निगम ने 1,27,596 करोड़ रुपये की सहायता वितरित की, जो इस दौरान उसका शुद्ध लाभ 1, करोड़ रुपये रहा। निगम की ऋण व 99.84 प्रतिशत रही और उसका गैर-निष्पादित परिसंपत्ति (एनपीए) शून्य दर्ज किया गया।

शाह ने पिछले करीब पांच वर्ष एनसीडीसी की प्रगति की सराहना करते हुए इस अवधि को निगम के लिए तरह का 'स्वर्णिम काल' बताया। उन्होंने कहा कि निगम ने देश के सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में अमृतमौजूदगी स्थापित की है। लद्दाख

पूर्वात्तर के छोटे राज्यों जैसे दूरदराज के क्षेत्रों में कार्यालयों का विस्तार सहकारिता आंदोलन को देश के अंतिम छोर तक पहुंचाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि एनसीडीसी को अपनी उपलब्धियों तक सीमित नहीं रहना चाहिए बल्कि बलवती जरूरतों के अनुरूप संस्थागत सुधार, वित्तीय संसाधन जुटाने की क्षमता और सहकारी संस्थाओं के साथ साझेदारी के नए मॉडल विकसित करने चाहिए। उन्होंने 31 मार्च 2027 के बाद इस विषय पर विशेष बैठक आयोजित कर विस्तृत चर्चा करने और दिसंबर 2027 तक आवश्यक निर्णयों की दिशा में प्रगति करने का सुझाव दिया।

‘विकसित भारत’ के निर्माण में प्रत्येक नागरिक की भूमिका: वैकैया नाथडू

नई दिल्ली, एजेंसी। पूर्व उपराष्ट्रपति वेङ्कैया नायडू ने कहा है कि 2047 तक 'विकसित भारत' की यात्रा, शसन एवं आर्थिक प्रगति के साथ-साथ नागरिकों की भागीदारी पर भी निर्भर करती है। नायडू ने 'भारत की सोच' की प्रमुख चर्चा श्रृंखला 'मंत्रणा' में गुरुवार को मुख्य भाषण देते हुए इस बात पर बल दिया कि राष्ट्र-निर्माण का दारोमदार केवल सरकार पर नहीं छोड़ा जा सकता है। उन्होंने कहा, 'नीतियां एक दृष्टिकोण देती हैं लेकिन नागरिकों के काम ही निर्धारित करते हैं' कि परिणाम कितनी तेजी से मिलेंगे और कितने सफल होंगे।



विकास के अवसर उपलब्ध करने चाहिए, वहीं नागरिकों की भी बराबर ज़िम्मेदारी है कि वे संवैधानिक मूल्यों को बनाए रखें और अपने नागरिक कर्तव्यों का पालन करें। एक विकसित भारत की व्यापक आकांक्षाओं पर बल देते हुए श्री नायडू ने कहा, 'हमारे यह सुनिश्चित करना होगा कि 2047 तक कहीं भी भूख,

अत्याचार, भेदभाव या असमानता न रहे। सच्ची प्रगति केवल आर्थिक पैमानों से ही नहीं बल्कि सामाजिक झलकें, समानता और एकता से झलकती है। राष्ट्र-निर्माण के मुख्य आधारों पर विस्तार से चर्चा करते हुए, उन्होंने सच्ची देशभक्ति को प्रत्येक नागरिक द्वारा पूरी निष्ठा से अपने कर्तव्य भावना बनाया और देश के युवाओं से बड़े सपने देखने, कड़ी मेहनत करने तथा राष्ट्र के विकास में सक्रिय योगदान देने का आह्वान किया। 'भारत की सोच' के अस्थायी अतिरिक्त राष्ट्रपति ने अपने स्वागत भाषण में कहा कि 'विकसित भारत' के दृष्टिकोण को 'नागरिक जिम्मेदारी और व्यक्तिगत जवाबदेही की एक मजबूत भावना का समर्थन मिलना चाहिए।

नई दिल्ली, एप्रैल ३१। उत्तर प्रदेश की वधानसभा ने गुरुवार को एक संकल्प पारित कर दिया कि उत्तर प्रदेश की वधानसभा में ३१ अप्रैल को नई दिल्ली की वधानसभा के बीच चलने वाली यह ट्रेन ३१ अक्टूबर को शुरू की जाएगी। रेल मंत्रालय अखिल भारतीय नौकरशाहों के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने वधानसभा में इसे हरी झंडी दिखाएगी। आधुनिक विधानसभाओं से लैस इस ट्रेन का उद्देश्य रात में नई दिल्ली की दूरी की यात्रा करने वाले यात्रियों को आरामदायक और सुविधाजनक विकल्प प्रदान करने का है। करीब १९६६ किलोमीटर की दूरी तय करने वाली यह ट्रेन वधानसभा से रात में खाना होकर आगे दिन सुबह दिल्ली पहुंचेगी। नियमित परिचालन के लिए अतिरिक्त समय-सारणी के अनुसार यात्रा में सुविधा नौ घंटे लगेगी।

वंदे भारत स्लीपर एक्सप्रेस भारतीय रेलवे की प्रीमियम रात्रिकालीन रेल सेवाओं की नई श्रृंखला में शामिल की गई है। अब तक वंदे भारत ट्रेनों की पहचान मुख्य रूप से दिन के समय चलने वाली एक्सप्रेस सेवाओं के रूप में रही है। स्लीपर

31 अक्टूबर को अश्विनी वैष्णव दिखाएंगे हरी झंडी



संस्करण को लंबी दूरी की यात्रा को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है, ताकि यात्री रात में सोते हुए सफर कर सकें और सुबह अपने गंतव्य पर पहुंच सकें। इस ट्रेन से वाराणसी, प्रयागराज और कानपुर के यात्रियों को राजधानी दिल्ली आने-जाने के लिए एक अतिरिक्त विकल्प मिलेगा। धार्मिक यात्रा,

कारोबार, शिक्षा, नौकरी और पर्यटन के सिलसिले में दोनों शहरों के बीच आने-जाने वाले लोगों के लिए भी यह सेवा उपयोगी होगी। रेलवे की प्रस्तावित समय-सारणी के मुताबिक वाराणसी से ट्रेन संख्या 27421 रात 8:50 बजे रवाना होगी। यह रात 10:35 बजे प्रयागराज जंक्शन पहुँचेगी और पाँच मिनट के ठहराव के बाद 10:40 बजे आगे बढ़ेगी। इसके बाद ट्रेन कानपुर सेट्रल से होकर अगले दिन सुबह 5:55 बजे नई दिल्ली पहुँचेगी।

वापसी में ट्रेन संख्या 27422 नई दिल्ली से रात 9:40 बजे रवाना होगी। यह अगले दिन सुबह 4:45 बजे प्रयागराज जंक्शन पहुँचेगी और पाँच मिनट के ठहराव के बाद वाराणसी के लिए रवाना होगी। इसके सुबह 6:45 बजे वाराणसी पहुँचने का समय निर्धारित किया गया है। यह सेवा सप्ताह में छह दिन चलाने की योजना है। वाराणसी से ट्रेनवार और नई दिल्ली से शनिवार को ट्रेन का नियमित संचालन नहीं होगा। हालाँकि, उद्घाटन के दिन ट्रेन की विशेष सेवा और नियमित वाणिज्यिक

परिचालन की समय-सारणी अलग होगी।
 उद्घाटन के लिए प्रस्तावित विशेष सेवा
 वातानुगामी से शाम 4:30 बजे रवाना होकर रात
 करीब 1:30 बजे नई दिल्ली पहुँचने वाली है।
 अनिवार्यतः सेवा के लिए यात्रियों को रेलवे की
 अंतिम समय-सारणी और बुकिंग संबंधी
 घोषणा का इंतजार करना होगा। ट्रेन में कुल 16
 वातानुकूलित कोच होंगे। इनमें प्रथम
 वातानुकूलित श्रेणी का एक, द्वितीय
 वातानुकूलित श्रेणी के चार और तृतीय
 वातानुकूलित श्रेणी के 11 कोच शामिल हैं।
 इनकी कुल यात्री क्षमता करीब 823 होगी।
 अलग-अलग श्रेणियों की व्यवस्था यात्रियों को
 अपनी जरूरत और बजट के अनुसार सफर का
 तरीका चुनने की स्वीकृति बर्ध होने के कारण लंबी
 दूरी के यात्री यात्रा के दौरान आराम कर सकेंगे।
 ट्रेन में आपात स्थिति के दौरान यात्रियों और
 कर्मचारियों के बीच संपर्क के लिए विशेष
 व्यवस्था दी गई है। लंबी दूरी की यात्रा
 में संस्कार बनाए रखने के लिए आधुनिक
 शौचालयों की व्यवस्था भी की गई है।

एक नजर

बिहार में कई आईएएस अधिकारियों का तबादला, सी. के. अनिल बने शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव

पटना,एजेंसी। बिहार में भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों का तबादला एवं अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। गुरुवार को सामान्य प्रशासन विभाग ने इसे लेकर अधिसूचना जारी कर दी है। जारी अधिसूचना के अनुसार भारतीय प्रशासनिक सेवा के 1991 बैच के अधिकारी सी. के. अनिल को शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव के पद पर स्थानांतरित किया गया है। वे फिलहाल परामर्शी, बिहार राज्य योजना पर्षद, पटना पर पदस्थापित थे। इसके साथ ही अरविन्द कुमार चौधरी, अपर मुख्य सचिव, मंत्रिमंडल सचिवालय विभाग, बिहार, पटना (अतिरिक्त प्रभार– परीक्षा नियंत्रक, बिहार राज्य संयुक्त प्रवेश परीक्षा पर्षद/महानिदेशक, बिपाई) को कृषि उत्पादन आयुक्त, कृषि विभाग, बिहार, पटना का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। वहीं पंकज कुमार, प्रधान सचिव, गृह विभाग, बिहार, पटना (अतिरिक्त प्रभार-प्रधान सचिव, सामान्य प्रशासन विभाग / जांच आयुक्त, सामान्य प्रशासन विभाग) वर्तमान में धारित जांच आयुक्त, सामान्य प्रशासन विभाग के अतिरिक्त प्रभार से मुक्त किए गए हैं। जबकि अमित पाण्डेय, अपर सचिव, राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग, बिहार, पटना को अपर सचिव, कृषि विभाग, बिहार, पटना का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है।

महेंद्रनाथ सरोवर को मिलेगी जैव विविधता विरासत स्थल की पहचान, संरक्षण की दिशा में बढ़े कदम

सीवान। प्राकृतिक संपदा और जैव विविधता के संरक्षण की दिशा में महेंद्रनाथ सरोवर को नई पहचान दिलाने की पहल शुरू हुई है। जिले के इस सरोवर को जैव विविधता विरासत स्थल के रूप में चयनित करने की संभावनाओं पर गुरुवार को महत्वपूर्ण चर्चा हुई। बिहार राज्य जैव विविधता पर्षद, पटना की चार सदस्यीय टीम ने जिलाधिकारी विजय प्रकाश मीणा से मुलाकात कर चयन प्रक्रिया और संरक्षण से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर विचार-विमर्श किया। बैठक में महेंद्रनाथ सरोवर के जैव विविधता सर्वेक्षण, संबंधित ग्राम पंचायतों की जैव विविधता प्रबंधन समितियों तथा स्थानीय निकायों से अनुशंसा प्राप्त करने की प्रक्रिया पर चर्चा की गई। सरोवर की प्राकृतिक संपदा को सुरक्षित रखने और इसके संरक्षण में स्थानीय लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया गया। पर्षद की टीम में विषय क्षेत्र विशेषज्ञ अमरेश बिहारी झा, यंग प्रोफेशनल हर्षिता प्रकाश तथा इंटरन दिवाकर कुमार और सुनंदा कुमारी शामिल थे। महेंद्रनाथ सरोवर को जैव विविधता विरासत स्थल के रूप में चयनित करने की पहल का उद्देश्य क्षेत्र की समृद्ध जैव विविधता को संरक्षित करना है। इसके लिए ग्राम पंचायतों, जैव विविधता प्रबंधन समितियों और स्थानीय समुदाय को संरक्षण एवं प्रबंधन की प्रक्रिया से जोड़ने की योजना है। स्थानीय निकायों और ग्रामीणों की सक्रिय भागीदारी से प्राकृतिक विरासत को सुरक्षित रखने के प्रयासों को मजबूती मिल सकती है। जैव विविधता विरासत स्थल के रूप में पहचान मिलने से महेंद्रनाथ सरोवर की प्राकृतिक महत्ता को सामने लाने और इसके संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने का अवसर मिलेगा। हालांकि, इसके लिए निर्धारित प्रक्रिया के तहत संबंधित समितियों और स्थानीय निकायों की अनुशंसा सहित आवश्यक पहलुओं पर आगे कार्रवाई की जानी है। जिला प्रशासन के अनुसार, बिहार राज्य जैव विविधता पर्षद की टीम ने डीएएम के साथ इस संबंध में चर्चा की है। सरोवर को विरासत स्थल के रूप में चयनित करने की पहल का अगला चरण निर्धारित प्रक्रिया और आवश्यक अनुशंसाओं पर आनिर्भर करेगा।

बिहार में चक्रवाती तूफान अर्नब का असर, 26 जिलों में बारिश का अलर्ट

पटना। बिहार में चक्रवाती तूफान अर्नब का प्रभाव दिख रहा है। मौसम में बदलाव के बीच मौसम विज्ञान केंद्र ने गुरुवार को राज्य के 26 जिलों में बारिश को लेकर चेतावनी जारी की है। इन्में छह जिलों के लिए नारंगी और 20 जिलों के लिए पीला चेतावनी संकेत जारी किया गया है। मौसम विभाग ने खराब मौसम को देखते हुए लोगों से सतर्क रहने की अपील की है। मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार भोजपुर, अरवल, औरंगाबाद, रोहतास, कैमूर और बक्सर में भारी बारिश की संभावना को देखते हुए नारंगी चेतावनी जारी की गई है। इन जिलों में कई स्थानों पर तेज बारिश हो सकती है। मौसम के प्रतिकूल रहने के कारण लोगों को आवश्यक सावधानी बरतने की सलाह दी गई है। बारिश को लेकर जिन 20 जिलों में पीली चेतावनी जारी की गई है, उनमें पश्चिम चंपारण, पूर्वी चंपारण, गोपालगंज, सीवान, सारण, सीतामढ़ी, शिवहर, मुजफ्फरपुर, वैशाली, मधुबनी, दरभंगा, समस्तीपुर, बेगूसराय, पटना, जहानाबाद, नालंदा, शेखपुरा, लखीसराय, नवादा और गया शामिल हैं। इन जिलों में भी बारिश के साथ मौसम में अचानक बदलाव के आसार हैं। कई स्थानों पर बादल छाए रहने और तेज हवा के साथ वर्षा होने की संभावना जताई गई है। चक्रवाती तूफान के प्रभाव को देखते हुए मौसम विभाग ने लोगों से मौसम की स्थिति पर नजर बनाए रखने और खराब मौसम के दौरान अनावश्यक रूप से खुले स्थानों पर नहीं जाने की सलाह दी है। विशेष रूप से भारी बारिश वाले जिलों में लोगों को अतिरिक्त सतर्कता बरतने को कहा गया है। मौसम में बदलाव के कारण अगले कुछ घंटों के दौरान राज्य के कई हिस्सों में वर्षा की गतिविधियां बढ़ सकती हैं। ऐसे में जिला प्रशासन और स्थानीय स्तर पर जारी होने वाली मौसम संबंधी सूचनाओं का पालन करना जरूरी होगा।

स्वास्थ्य केंद्रों और नल-जल योजना की जमीनी जांच शुरु

भागलपुर। जिले में स्वास्थ्य केंद्रों और नल-जल योजनाओं की जमीनी हकीकत परखने के लिए जिला प्रशासन ने कमर कस ली है। आम नागरिकों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं और स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जिला ग्रामीण विकास अधिकरण (डीआरडीए), भागलपुर ने संबंधित पदाधिकारियों को सघन जांच व निरीक्षण करने के निर्देश जारी किए हैं। इस निर्देश के आलाोक में जांच पदाधिकारियों को अपनी आर्बाइट पंचायतों में स्थित स्वास्थ्य केंद्रों और नल-जल योजनाओं का स्थलीय निरीक्षण कर वर्तमान स्थिति का आकलन करने को कहा गया है। जांच दल स्वास्थ्य केंद्रों में उपलब्ध सुविधाओं, सेवाओं और नल-जल योजनाओं की क्रियाशीलता को बारीकी से जांच कर वस्तुस्थिति रिपोर्ट तैयार करेंगे। आदेश के अनुसार, जांच पदाधिकारियों को 28 और 29 अक्टूबर 2026 को हर हाल में निरीक्षण कार्य पूरा करना था। इसके बाद, तैयार की गई जांच रिपोर्ट की 30 अक्टूबर 2026 तक संबंधित प्रखंड विकास पदाधिकारी (बीडीओ) के माध्यम से जिला ग्रामीण विकास अधिकरण को उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया है। जांच दल की मदद के लिए संबंधित पंचायतों के पंचायत तकनीकी सहायक को भी इस कार्य से संबद्ध किया गया है। सभी प्रखंड विकास पदाधिकारियों को सख्त निर्देश दिया गया है कि वे अपने-अपने प्रखंड के अंतर्गत हुए निरीक्षण की समेकित (कंसोलिडेटेड) रिपोर्ट निर्धारित समय-सीमा के भीतर जिला ग्रामीण विकास अधिकरण को सौंपना सुनिश्चित करें।

अंतरिक्ष आधारित तकनीक और नवाचारों से बिहार के विकास को मिलेगी नई गति : सम्राट चौधरी



पटना,एजेंसी। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने गुरुवार को डॉ एपीजे अब्दुल कलाम साईंस सिटी, पटना में आयोजित ‘स्पेस एप्लीकेशन एडॉप्शन वर्कशॉप–2026’ में अंतरिक्ष आधारित तकनीक, आधुनिक वैज्ञानिक समाधानों और नवाचारों को बिहार के विकास एवं प्रशासनिक व्यवस्था से जोड़ने पर बल दिया। मौके पर मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि आज के युग में तकनीकी विकास के बिना प्रगति की कल्पना नहीं की जा सकती। आधुनिक तकनीक का प्रभावी उपयोग बिहार को विकास की नई ऊंचाइयों तक ले जाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के वर्ष 2047 तक विकसित भारत के संकल्प तथा समृद्ध बिहार के लक्ष्य को साकार करने के लिए विज्ञान, तकनीक और नवाचार को प्राथमिकता देना आवश्यक है। मुख्यमंत्री ने कहा

कि बिहार प्राचीन काल से ही ज्ञान, शिक्षा और प्रबुद्धता की भूमि रही है। आर्यभट्ट और आचार्य चाणक्य जैसी महान भूमितियों की विरासत बिहार की बौद्धिक परंपरा का प्रमाण है। इस गौरवशाली विरासत को आधुनिक वैज्ञानिक सोच और तकनीकी क्षमता के साथ जोड़कर राज्य को विकास के नए आयाम तक पहुंचाया जा सकता है। सम्राट चौधरी ने अधिकारियों, वैज्ञानिकों और तकनीकी विशेषज्ञों से आह्वान किया कि वे बिहार की आवश्यकताओं के अनुरूप व्यावहारिक और उपयोगी एप्लीकेशन विकसित करें। ऐसे समाधानों को केवल तकनीकी प्रयोग तक सीमित न रखते हुए धरातल पर लागू किया जाएगा, ताकि उनका वास्तविक लाभ आम जनता, किसानों और प्रशासनिक व्यवस्था को मिल सके।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार की चुनौतियों को अवसर में बदलना समय की आवश्यकता है।

सुरक्षित बचपन अभियान में बच्चों को बाल अधिकारों और सुरक्षा के प्रति किया जागरूक

सुपौल। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण की परिकल्पना के तहत संचालित ‘सुरक्षित बचपन अभियान’ के चौथे दिन गुरुवार को निर्मली के विभिन्न विद्यालयों में विधिक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश-सह-जिला विधिक सेवा प्राधिकार (डीएलएसए), सुपौल के अध्यक्ष राजेश कुमार बच्चन के मार्गदर्शन में निर्मली हाई स्कूल, ओमश्री साई पब्लिक स्कूल एवं डीएम पंसारी विद्यालय में बच्चों को बाल अधिकारों, सुरक्षा और संरक्षण के प्रति जागरूक किया गया।

अभियान का मुख्य उद्देश्य बच्चों को उनके अधिकारों की जानकारी देने के साथ उन्हें अपनी समस्याएं साझा करने, प्रश्न पूछने और निर्भीक होकर अपनी बात रखने के लिए प्रोत्साहित करना है। इसके माध्यम से बच्चों में आत्मविश्वास विकसित करने और किसी भी प्रकार के शोषण या हिंसा के खिलाफ आवाज उठाने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए निर्मली अनुमंडल न्यायालय के न्यायाधीश श्याम नाथ साहू ने कहा कि बच्चों को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करने के साथ अपनी समस्याएं साझा करने और निडर

होकर बोलने के लिए प्रोत्साहित करना इस अभियान का महत्वपूर्ण उद्देश्य है। उन्होंने बच्चों को बताया कि मेला या अन्य सार्वजनिक स्थानों पर भीड़ के दौरान किसी परेशानी में फंसने पर नजदीकी पुलिसकर्मी से मदद लेनी चाहिए और अपनी समस्या की जानकारी देनी चाहिए। यूनिसेफ से जुड़े अशोक कुमार ने बिहार सरकार की ‘सुरक्षित शनिवार’ पहल की जानकारी देते हुए कहा कि विद्यालयों में बच्चों को विभिन्न प्रकार की आपदाओं से बचाव के उपाय बताए जाते हैं। उन्होंने बच्चों को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक रहने और सुरक्षा संबंधी जानकारीयों को व्यवहार में अपनाने की आवश्यकता पर बल दिया। इस दौरान बच्चों को उनके चार प्रमुख अधिकारों के बारे में भी जानकारी दी गई। कोशी प्रहरी के प्रतिनिधि प्रमोद कुमार यादव ने कहा कि विद्यालयों में शिकायत पेटी की व्यवस्था होनी चाहिए, ताकि बच्चे बिना किसी डर के अपनी समस्याएं और शिकायतें साझा कर सकें। उन्होंने बाल शोषण, हिंसा से सुरक्षा, बाल मजदूरी और मानव तस्करी की रोकथाम के प्रति जागरूकता को जरूरी बताया। उन्होंने कहा कि बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए उनकी सहभागिता भी महत्वपूर्ण है।

आवासीय विद्यालय सिमुलतला स्कूल की संचालक समिति में विद्या भारती के चार प्रधानाचार्य नामित

पटना,एजेंसी। बिहार सरकार ने सिमुलतला आवासीय विद्यालय की संचालक समिति, सिमुलतला शिक्षा सोसायटी में विद्या भारती के विद्यालयों से जुड़े चार प्रधानाचार्यों को सदस्य नामित किया है। यह जनकारी विद्या भारती बिहार के सोशल मीडिया प्रमुख ओमप्रकाश कुमार ने दी। उन्होंने बातचीत में बताया कि इस मनोनयन से विद्या भारती परिवार में प्रसन्नता का माहौल है। विद्या भारती एवं विभिन्न सामाजिक और शैक्षिक संस्थानों से जुड़े पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने चारों वरिष्ठ शिक्षाविदों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। ओमप्रकाश कुमार ने कहा कि सिमुलतला आवासीय विद्यालय की संचालक समिति में विद्या भारती के चार अनुभवी प्रधानाचार्यों को सदस्य के रूप में नामित किया जाना हर्ष का विषय है। यह उनके शैक्षिक अनुभव, कार्यक्षमता और शिक्षा के क्षेत्र में योगदान के प्रति विश्वास को दर्शाता है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि सभी सदस्य अपने अनुभव और कार्यकुशलता से विद्यालय की शैक्षिक व्यवस्था को और बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। विद्या भारती बिहार क्षेत्र के संगठन मंत्री ख्यालीराम ने विश्वास व्यक्त किया कि इन कार्यकर्ताओं के शैक्षिक अनुभव एवं कार्यकुशलता से बिहार की शिक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने तथा भारतीय ज्ञान परंपरा पर आधारित शैक्षिक वातावरण के विकास में महत्वपूर्ण योगदान मिलेगा। विद्या भारती बिहार के क्षेत्र प्रचार-प्रसार संयोजक नवीन सिंह परमार ने भी इस



मनोनयन पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए चारों वरिष्ठ कार्यकर्ताओं को हार्दिक बधाई एवं मंगलकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि यह मनोनयन विद्या भारती के अनुभवी एवं समर्पित शिक्षाविदों की कार्यक्षमता और शैक्षिक योगदान के प्रति विश्वास का परिचायक है।

नामित प्रधानाचार्य

श्रीराम सिंह : पूर्व प्राचार्य, महावीरी

नेपाल तथा मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश की ओर से आनेवाले जल प्रवाह के कारण राज्य के अनेक क्षेत्रों में बाढ़ की समस्या उत्पन्न होती है। दूसरी ओर, राज्य की विशाल जनसंख्या भी बेहतर संसाधन प्रबंधन और प्रभावी सार्वजनिक सेवाओं की मांग करती है। अंतरिक्ष आधारित तकनीक, रिमोट सेंसिंग और वैज्ञानिक आंकड़ों का उपयोग बाढ़ की निगरानी, जल प्रबंधन, कृषि नियोजन और विकास योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन में सहायक हो सकता है। मुख्यमंत्री ने बिहार के लिए नदियों के जल के समुचित उपयोग की आवश्यकता पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि राज्य को विशेष रूप से गंगा नदी के जल का वर्षभर पेयजल और सिंचाई जैसे आवश्यक उद्देश्यों के लिए उपयोग करने की दिशा में प्रभावी पहल की आवश्यकता है, इसके लिए वैज्ञानिक अध्ययन, बेहतर योजना और संबंधित राज्यों के साथ समन्वय महत्वपूर्ण होगा। मुख्यमंत्री ने सभी संबंधित विभागों और तकनीकी संस्थानों से नए नवाचारों को अपनाने, आपसी सहयोग बढ़ाने तथा तकनीकी समाधानों को जनहित से जोड़ने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि तकनीक का वास्तविक उद्देश्य शासन को अधिक प्रभावी, पारदर्शी और जनोन्मुखी बनाना तथा बिहार के विकास को नई गति प्रदान करना है। इससे पहले ‘इम्प्यावरिंग गवर्नेंस: लिबरेंजिंग स्पेस इनेबल्ड सॉल्यूशंस फॉर प्रोग्रेसिव बिहार’’ कार्यक्रम की शुरुआत में मुख्यमंत्री ने इस दो दिवसीय ‘स्पेस एप्लीकेशन एडॉप्शन वर्कशॉप–2026’ में आये हुये विभिन्न प्रतिभागियों द्वारा लगाये गये प्रदर्शनी का अवलोकन किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने नये एप्लिकेशन के बारे में तथा उनकी उपयोगिता को लेकर उनसे विस्तृत जानकारी ली।

खतरे के साये में नौनिहाल: गंगा के कटाव ने छीना स्कूल, नेशनल हाईवे पर जान हथेली पर रखकर जाने को मजबूर बच्चे

भागलपुर,एजेंसी। भागलपुर का एक ऐसा जख्म, जिसे आज क्षेत्र का हर जर्ी-जर्ी महसूस कर रहा है। माता-पिता को ख्राहिशा थी कि बच्चों का भविष्य मजबूत बने, लेकिन आज हालात ऐसे हैं कि इन मासूमों के कदमों को एक सुरक्षित रास्ता तक नसीब नहीं है। जिन नन्हे हाथों में किताबें होनी चाहिए और जिन आंखों में सुनहरे भविष्य के सपने, वही बच्चे आज हर कदम पर जिंदगी और मौत से जूझ रहे हैं। यह दर्दनाक और भयावह तस्वीर भागलपुर के सबौर प्रखंड की मामलखा पंचायत के पुरानी रामनगर गांव की है। यहां गंगा का भीषण कटाव सिर्फ उपजाऊ जमीन और पक्के मकानों को ही नहीं निगल रहा, बल्कि नौनिहालों की शिक्षा और सुरक्षा पर भी गहरा संकट बनकर मंडरा रहा है। गंगा की तेज लहरों ने गांव के कई आशियानों को जर्मींदोज कर अपने आगोश में ले लिया है। कटाव को रोकने के लिए सरकार की ओर से करोड़ों रुपये खर्च कर कटावरोधी कार्य भी कराए गए, लेकिन जमीनी स्तर पर हालात जस के तस बने हुए हैं। अब स्थिति यह हो चुकी है कि गांव का सरकारी विद्यालय भी कटाव के बिल्कुल मुहाने पर पहुंच चुका है। बच्चों की सुरक्षा को देखते हुए प्रशासन को स्कूल बंद करना पड़ा है। स्कूल बंद होने का सबसे बड़ा खामियाजा यहां के मासूम बच्चों की भुगतना पड़ रहा है। गांव का स्कूल बंद होने के कारण बच्चों को अपनी पढ़ाई जारी रखने के लिए दूसरे गांव के स्कूल का रुख करना पड़ रहा है। बच्चे हर दिन कई किलोमीटर पैदल चलने को मजबूर हैं। इस सफर के बीच में नेशनल



हाईवे पड़ता है, जहां चौबीसों घंटे तेज रफ्तार गाड़ियां दौड़ती हैं। भारी वाहनों के बीच सड़क पार करते समय हर पल यह डर सताता है कि कहीं कोई अनहोनी न हो जाए। छोटे-छोटे बच्चे सहमे हुए कदमों से किसी तरह हाईवे पार करते हैं और अपनी मंजिल की ओर बढ़ते हैं। मुसीबत सिर्फ हाईवे तक ही सीमित नहीं है। स्कूल से घर लौटते समय कटाव के कारण जर्जर हो चुका बांध और कच्चा रास्ता उनके लिए एक और बड़ा खतरा बन जाता है। फिसलन भरे और टूटे-फूटे रास्ते पर चलते समय बच्चों को हमेशा यह खौफ रहता है कि कहीं पैर फिसलने से वे सीधे उफनती नदी में न समा जाएं। शिक्षा की नींव मजबूत करने निकले इन नौनिहालों के लिए हर दिन का सफर किसी अग्निपरीक्षा से कम नहीं है। स्थानीय ग्रामीण वर्षों से क्षेत्र में एक मजबूत रिंग बांध और ठोस

कटावरोधी उपायों की मांग कर रहे हैं, लेकिन उनकी सुध लेने वाला कोई नहीं है। करोड़ों के फंड बह गए, पर जमीन पर सुरक्षा का कोई पुख्ता इंतजाम नहीं दिख रहा है। अब सवाल यह उठता है कि आखिर कब तक ये मासूम बच्चे डर के साये में स्कूल जाने को मजबूर रहेंगे? क्या जिला प्रशासन और जल संसाधन विभाग किसी बड़े हादसे का इंतजार कर रहे हैं, या इन नौनिहालों के सुश्रुति भविष्य के लिए समय रहते कोई ठोस कदम उठाया जाएगा? कल्याणी कुमारी, छात्रा का कहना है कि हमारा स्कूल गंगा में समाने वाला है, इसलिए बंद हो गया। अब हमें दूसरे गांव के स्कूल जाना पड़ता है। हाईवे पार करते समय बहुत डर लगता है, गाड़ियां बहुत तेज आती हैं। छात्र शांतनु कुमार कहते हैं कि स्कूल जाने के रास्ते में जो बांध है, वह पूरी तरह टूट चुका है। वहां बहुत फिसलन रहती है।

बिहार में 80 लाख स्नातक, मतदाता सिर्फ 5.32 लाख, प्रबुद्ध लोकतंत्र पर सवाल: संजय वत्स

सहरसा। हाल ही में 23 अक्टूबर 2026 को हुए बिहार स्नातक/शिक्षक विधान परिषद चुनाव में यदि सिर्फ बिहार की बात करें, तो बिहार की सभी 8 सीटों पर चुनाव आयोग के अनुसार कुल वोटर संख्या 5,32,847 है। इसमें स्नातक कोटि की 4 सीट (पटना, दरभंगा, तिरहुत एवं कोसी) पर कुल 4,92,594 वोटर एवं शिक्षक कोटे की 4 सीटों पर 40,253 वोटर हैं। अब बात करते हैं बिहार जाति आधारित गणना 2023 (जो विधानसभा में भी रखी गई थी) के अनुसार बिहार में कुल 80 लाख लोग स्नातक पास हैं, जो कुल आबादी (13.07 करोड़) का 6.11% है। अब समझने की जरूरत है कि 80,00,000 में से 5,32,847 को घटाते हैं तो 74,67,153 स्नातक पास लोग वोट डालना तो दूर, वोटर तक किसी न किसी कारण से नहीं बन पाए। इसका कारण जनप्रतिनिधियों की लापरवाही कहीं या मतदाताओं में जागरूकता का अभाव। या चुनाव आयोग की उदासीनता। जिस चुनाव में मत देने का मापदंड स्नातक पास होना है, उसमें कुल स्नातकों में से सिर्फ 6.65%व्यक्ति ही मतदाता सूची में थे।

अब देखिए, कुल 5,32,847 में से चुनाव आयोग की रिपोर्ट के अनुसार कुल 2,96,493 मत पोल हुए, जो कुल स्नातक पास व्यक्ति का 3.70% है एवं कुल मतदाता

झालमुरी बेचने वाले के बेटे ने रचा इतिहास: भागलपुर के प्रिंस का भारतीय पेनकैक सिलाट टीम में चयन

भागलपुर। प्रतिभा किसी सुविधा की मोहताज नहीं होती और अगर हौसलों में उड़ान हो, तो आर्थिक तंगी भी रास्ता नहीं रोक सकती। इसकी मिसाल भागलपुर के प्रिंस कुमार ने पेश की है। झालमुरी बेचकर परिवार का भरण-पोषण करने वाले एक साधारण पिता के बेटे प्रिंस ने अपनी मेहनत, लगन और प्रतिभा के दम पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेलने का मुकाम हासिल किया है। बिहार बाल भवन किलकारी, भागलपुर में कई वर्षों से प्रशिक्षण ले रहे प्रिंस कुमार का चयन भारतीय पेनकैक सिलाट टीम में हुआ है। अब वह अंतराष्ट्रीय मंच पर अपने खेल का जौहर दिखाकर बिहार और भागलपुर का नाम रोशन करने की तैयारी में हैं।

प्रिंस की इस अभूतपूर्व उपलब्धि को लेकर किलकारी बिहार बाल भवन के कंपनीबाग परिसर में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में आयोजन किया गया। इस दौरान कराटे प्रशिक्षक एवं किलकारी से जुड़े पदाधिकारियों ने प्रिंस की सफलता की जानकारी साझा की। उनकी इस उपलब्धि से संस्थान के साथ-साथ पूरे जिले में खुशी का माहौल है। प्रिंस की सफलता उन तमाम युवाओं के लिए एक बड़ी प्रेरणा है, जो सीमित संसाधनों के बावजूद बड़े सपने देखते हैं और

उन्हें पूरा करने का जज्बा रखते हैं। प्रिंस के प्रशिक्षक कुंदन कुमार ने बताया कि प्रिंस बेहद मेधावी और मेहनती खिलाड़ी हैं। उन्होंने अपनी प्रतिभा और लगातार अभ्यास के दम पर यह मुकाम हासिल किया है। हालांकि, प्रिंस के परिवार की आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं है, ऐसे में उन्हें अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में भेजना एक बड़ी चुनौती साबित हो रहा है। प्रशिक्षक ने शहर के गणमार्ग लोगों, समाजसेवियों और खेल प्रेमियों से अपील की है कि वे आगे आएँ। उन्होंने कहा कि चंदा जुटाकर प्रिंस को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेलने के लिए भेजने का प्रयास किया जाएगा। उन्हें पूरा विश्वास है कि प्रिंस देश और भागलपुर का नाम वैश्विक पटल पर चमकाएंगे। किलकारी के पदाधिकारी साहिल राज ने भी प्रिंस के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उम्मीद जताई कि प्रिंस आने वाले समय में और बेहतर प्रदर्शन करेंगे। वहीं, प्रिंस के पिता दीपक मंडल ने भावुक होकर बताया कि वह झालमुरी बेचकर अपने परिवार का जीवनयापन करते हैं। सीमित आमदनी होने के बावजूद उन्होंने अपने बेटे के सपनों को पूरा करने के लिए हर संभव प्रयास किया और कभी उसकी हिम्मत टूटने नहीं दी।

एक नजर

उत्तर क्षेत्रीय महिला शतरंज प्रतियोगिता में दिल्ली विश्वविद्यालय बना चैंपियन, सीएसजेएमयू को मिला तीसरा स्थान



कानपुर,एजेंसी। दिल्ली विश्वविद्यालय ने उत्तर क्षेत्रीय अंतर-विश्वविद्यालय महिला शतरंज प्रतियोगिता में चैंपियनशिप अपने नाम कर ली। 26 से 29 अक्टूबर तक छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय (सीएसजेएमयू) में गुरुवार को आयोजित प्रतियोगिता में लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी दूसरे और मेजबान सीएसजेएमयू तीसरे स्थान पर रहा। पंजाब विश्वविद्यालय को चौथा स्थान मिला। प्रतियोगिता के समापन समारोह में सीएसजेएमयू के प्रति-कुलपति प्रो. सुधांशु पांड्या ने कहा कि शतरंज खिलाड़ियों में एकाग्रता, तार्किक चिंतन, धैर्य और सही समय पर निर्णय लेने की क्षमता विकसित करता है। खिलाड़ियों को खेल भावना के साथ अपनी प्रतिभा निखारने और भविष्य में बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रयास करना चाहिए। दिल्ली विश्वविद्यालय ने छह मुकाबलों में पांच जीत और एक ड्रा के साथ कुल 11 अंक हासिल किए। लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी ने 10 अंक जुटाकर दूसरा स्थान प्राप्त किया, जबकि सीएसजेएमयू की टीम नौ अंकों के साथ तीसरे स्थान पर रही। व्यक्तिगत प्रदर्शन में मेजबान विश्वविद्यालय की सुमुखी शुक्ला ने बोर्ड-1 पर छह मुकाबलों में 5.5 अंक हासिल कर पहला स्थान प्राप्त किया। वहीं, बोर्ड-2 पर जिज्ञासा मीना छह मुकाबलों में पांच अंक के साथ शीर्ष पर रहीं। प्रतियोगिता का आयोजन सीएसजेएमयू ने कानपुर चेंस एसोसिएशन के सहयोग से किया। समापन समारोह में विभागाध्यक्ष डॉ. नवीन जीविपुटा, डॉ. प्रभाकर पांडेय, डॉ. राजेश प्रताप सिंह, डॉ. श्रवण कुमार यादव, खेल सचिव शुभम हजारीया और संयुक्त खेल सचिव सौरभ तिवारी सहित अन्य लोग मौजूद रहे। आयोजन में टूर्नामेंट डायरेक्टर दिलीप श्रीवास्तव, मुख्य निर्णायक एफए सतेंद्र सिंह और निर्णायक मंडल के सदस्यों ने योगदान दिया।

रवि, देवांश और देवांशु के दम पर श्याम लाल कॉलेज की शानदार जीत



नई दिल्ली। रवि राज की नाबाद अर्धशतकीय पारी और देवांश बिष्ट व देवांशु की घातक गेंदबाजी के दम पर श्याम लाल कॉलेज (प्रातः) ने दिल्ली विश्वविद्यालय अंतर-कॉलेज क्रिकेट प्रतियोगिता के पुरुष वर्ग में शानदार जीत दर्ज की। कॉलेज ने जाकिर हुसैन दिल्ली कॉलेज (सांध्य) को आठ विकेट से हराकर दूसरे दौर में प्रवेश किया। श्याम लाल कॉलेज के कप्तान अनिबान ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। उनका यह निर्णय गेंदबाजों ने सही साबित किया और जाकिर हुसैन दिल्ली कॉलेज (सांध्य) की टीम 25.2 ओवर में 144 रन पर सिमट गई। टीम की ओर से गीतांश ने 23 और कुणाल ने 22 रन बनाए। श्याम लाल कॉलेज की ओर से देवांश बिष्ट ने 34 रन देकर चार विकेट लिए, जबकि देवांशु ने 38 रन देकर चार बल्लेबाजों को पवेलियन भेजा। 145 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी श्याम लाल कॉलेज (प्रातः) की टीम ने 22.4 ओवर में दो विकेट के नुकसान पर 147 रन बनाकर मुकाबला अपने नाम कर लिया। रवि राज ने नाबाद 66 रन की शानदार पारी खेली, जबकि आयुष ने 40 रन बनाकर जीत में अहम योगदान दिया। इस तरह श्याम लाल कॉलेज ने आठ विकेट से मुकाबला जीतकर प्रतियोगिता के अगले दौर में जगह बनाई।

आयरलैंड के लेग स्पिनर बेन व्हाइट ने 28 साल की उम्र में लिया संन्यास

डबलिन। आयरलैंड के लेग स्पिनर बेन व्हाइट ने 28 साल की उम्र में पेशेवर क्रिकेट से संन्यास लेने की घोषणा की है। उन्होंने क्रिकेट को अलविदा कहने के बाद सॉफ्टवेयर विकास कंपनी पर्सॉनियो में नई जिम्मेदारी संभाली है। वह कंपनी में यूके और आयरलैंड क्षेत्र के लिए बिजनेस डेवलपमेंट प्रतिनिधि के रूप में काम करेंगे। व्हाइट ने जुलाई, 2021 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण किया था। उन्होंने आयरलैंड के लिए तीनों प्रारूपों में कुल 43 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेले। उनका आखिरी अंतरराष्ट्रीय मैच फिफ्टेन साल दिसंबर में था। उन्हें आयरलैंड की टीम में लंबे समय तक कलाई के स्पिनर की कमी पूरी करने वाले खिलाड़ी के रूप में देखा जा रहा था। व्हाइट ने 38 टी-20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों में 36 विकेट लिए। वह 2021, 2024 और 2026 के टी20 विश्व कप के लिए आयरलैंड की टीम का हिस्सा रहे। हालांकि, इन तीनों टूर्नामेंट में उन्हें कुल तीन मैच खेलने का मौका मिला। लंबे प्रारूपों में उन्हें सीमित अवसर मिले। उन्होंने 2023 में दो एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय और तीन टेस्ट मैच खेले। बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट पदार्पण पर उन्होंने तीन विकेट लिए थे। हालांकि, श्रीलंका के खिलाफ लगातार दो टेस्ट मैचों में आयरलैंड को पारी से हार का सामना करना पड़ा और व्हाइट ने इन मुकाबलों में कुल 322 रन देकर केवल एक विकेट लिया। प्रथम श्रेणी क्रिकेट का पहले कोई अनुभव नहीं होने के कारण लंबे प्रारूप में उनकी चुनौतियां भी सामने आईं। व्हाइट ने लिंकडइन पर अपने संन्यास की घोषणा करते हुए लिखा, 'एक शानदार सफर के बाद मुझे यह साझा करते हुए खुशी हो रही है कि मैं पेशेवर क्रिकेट से संन्यास ले रहा हूँ और अपने जीवन के नए अध्याय की शुरुआत कर रहा हूँ। मैंने पर्सॉनियो में यूके और आयरलैंड क्षेत्र के लिए बिजनेस डेवलपमेंट प्रतिनिधि के रूप में नई भूमिका संभाली है। उन्होंने आगे लिखा कि आयरलैंड का प्रतिनिधित्व करना, तीनों प्रारूपों में खेलना और तीन आईसीसी विश्व कप में हिस्सा लेना उनके लिए गर्व की बात रहेगी। उन्होंने क्रिकेट आयरलैंड का आभार जताते हुए कहा कि देश के लिए खेलने का अवसर उनके बचपन के सपने को पूरा करने जैसा था। क्रिकेट ने उन्हें यादगार पल, सीख और जीवनभर निभने वाली दोस्तियां दीं।

पांच मैचों की श्रृंखला के लिए न्यूजीलैंड पहुंचे भारतीय वनडे कप्तान शुभमन गिल

ऑकलैंड,एजेंसी। भारतीय एकदिवसीय

टीम के कप्तान शुभमन गिल न्यूजीलैंड के खिलाफ पांच मैचों की वनडे श्रृंखला से पहले गुरुवार को ऑकलैंड पहुंच गए। इस श्रृंखला के साथ रोहित शर्मा और विराट कोहली को भी वनडे क्रिकेट में वापसी होगी। श्रृंखला का पहला मुकाबला 4 नवंबर को ऑकलैंड में खेला जाएगा। गिल के साथ केएल राहुल और गुरनुर बरार भी न्यूजीलैंड पहुंच गए हैं और तीनों ने अभ्यास भी किया। गिल के न्यूजीलैंड पहुंचने पर स्थानीय प्रशंसकों और खिलाड़ियों ने उनसे मुलाकात की और उनके साथ तस्वीरें खिंचवाईं। अभ्यास के लिए रवाना होने से पहले वह अपने पुराने मित्र और टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के स्टार बल्लेबाज अभिषेक शर्मा के साथ बातचीत करते नजर आए। अभिषेक ने पिछले मुकाबले में वेलिंगटन में न्यूजीलैंड के खिलाफ 38 गेंदों पर नाबाद 113 रन की विस्फोटक पारी खेली थी, जिससे भारत ने 199 रन का लक्ष्य हासिल किया था। गिल ने अभ्यास सत्र के दौरान नेट्स पर बल्लेबाजी भी की। ऑस्ट्रेलिया के पिछले साल के दौरे में निराशाजनक प्रदर्शन और इस साल इंग्लैंड के खिलाफ श्रृंखला गंवाने के बाद बतौर वनडे कप्तान यह उनका तीसरा विदेशी दौरा होगा। वह इस दौर पर अपनी लय बरकरार रखने के इरादे से उतरेंगे।

गिल ने इस साल वनडे क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन किया है। उन्होंने 12 मैचों की 11 पारियों में 111.87 की औसत और 118.70 के स्ट्राइक रेट से 895 रन बनाए हैं। इस दौरान उनके बल्ले से तीन शतक और पांच अर्धशतक निकले हैं। उनका सर्वोच्च स्कोर वेस्टइंडीज के खिलाफ

छतीसगढ़ हॉकी लीग : खराब मौसम और बारिश के कारण आज के मुकाबले स्थगित, 30 अक्टूबर को होंगे दोनों मैच

रायपुर। चक्रवाती तूफान ‘अर्नब’ के कारण छत्तीसगढ़ में बने प्रतिकूल मौसम के चलते मैदान में खिलाड़ियों की सुरक्षा और दर्शकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए छत्तीसगढ़ हॉकी लीग के आज होने वाले दोनों मैचों को स्थगित कर दिया गया है। अब यह मैच शुक्रवार, 30 अक्टूबर को खेले जाएंगे। चक्रवात के प्रभाव से प्रदेश में बिगड़े मौसम और इससे उत्पन्न संभावित जोखिमों को ध्यान में रखते हुए आयोजन समिति ने एहतियात के तौर पर मैचों की तारीख बदलने का निर्णय लिया है। लीग के पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार आज शाम साढ़े 5 बजे संस्कारधानी स्टाइकर्स और मैनपाट टाइटन्स के बीच मुकाबला होना था। वहीं शाम साढ़े 7 बजे से चक्रधर चैंपियन्स और बैलाडीला बुल्स के बीच मैच निर्धारित था। अब ये दोनों मैच कल शुक्रवार को क्रमशः साढ़े 5 बजे और साढ़े 7 बजे खेले जाएंगे। उल्लेखनीय है कि खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा पहली बार आयोजित छत्तीसगढ़ हॉकी लीग में 22 अक्टूबर से रोज हॉकी का रोमांच देखने को मिल रहा है। सभी टीमों अपने शानदार खेल से दर्शकों का भरपूर मनोरंजन कर रहे हैं। कई

विशिष्ट और अति विशिष्ट व्यक्ति भी प्रतिदिन मैच देखने और खिलाड़ियों की हौसला अफजाई के लिए स्टेडियम पहुंच रहे हैं। छत्तीसगढ़ हॉकी लीग में राजधानी रायल्स और न्यायधानी नाइट्स ने अपने सभी पांचों मैच खेल लिए हैं। शेष चार टीमों के एक-एक मैच बाकी है। न्यायधानी नाइट्स 3 जीत और 2 ड्रा के साथ 11 अंक लेकर अंक तालिका में शीर्ष पर है, और उसने सेमीफायनल में अपना स्थान सुरक्षित कर लिया है। वहीं राजधानी रायल्स अपने सभी मैच हार कर सबसे निचले पायदान पर है। मैनपाट टाइटन्स ने अपने 4 मैचों में से 2 मैच जीते और 2 ड्रा खेले हैं। टीम 8 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर है। चक्रधर चैंपियंस 4 मैच खेल कर 2 जीत, एक ड्रा और एक हार के साथ 7 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर, बैलाडीला बुल्स 4 मैचों में एक जीत, दो ड्रा और एक हार के साथ 5 अंक लेकर चौथे स्थान पर तथा संस्कारधानी स्टाइकर्स 4 मैचों में एक जीत, एक ड्रा और दो हार के साथ 4 अंक हासिल कर पांचवें स्थान पर है। छत्तीसगढ़ हॉकी लीग के दोनों सेमीफायनल 31 अक्टूबर को खेले जाएंगे, जबकि फायनल मुकाबला 1 नवम्बर को खेला जाएगा।

महिला इमर्जिंग नेशंस ट्रॉफी में पहली बार खेलेंगी पांच पूर्ण सदस्य टीमें, 12 नवंबर से होगा आगाज

नई दिल्ली,एजेंसी। आईसीसी महिला इमर्जिंग नेशंस ट्रॉफी के दूसरे संस्करण में इस बार आठ की जगह 10 टीमें हिस्सा लेंगी। प्रतियोगिता 12 से 25 नवंबर तक संयुक्त अरब अमीरात के अजमान में खेली जाएगी। पहली बार इस टूर्नामेंट में आईसीसी की पांच पूर्ण सदस्य टीमों भी हिस्सा लेंगी। वह महिला क्रिकेट के विकास और उपरती टीमों को अधिक अंतरराष्ट्रीय अवसर देने की दिशा में आईसीसी का महत्वपूर्ण कदम है। बांग्लादेश, आयरलैंड, पाकिस्तान, श्रीलंका और जिम्बाब्वे की टीमें इस प्रतियोगिता में शामिल होंगी। इनके अलावा सहयोगी सदस्य देशों की नीदरलैंड, पापुआ न्यू गिनी, स्कॉटलैंड, थाईलैंड और संयुक्त अरब अमीरात की टीमों भी चुनौती पेश करेंगी। सभी मुकाबले अजमान के कप्तान स्पोर्ट्स और सेवन डिस्ट्रिक्ट्स मैदानों पर खेले जाएंगे। प्रतियोगिता में 10 टीमों को दो समूहों में बांटा गया है। प्रत्येक समूह में पांच टीमें होंगी। शुरुआती चरण के बाद टीमों सुपर सिक्स चरण में पहुंचेंगी, जिसके बाद फाइनल खेला जाएगा। इस प्रारूप को आईसीसी की महिला क्रिकेट समिति की सिफारिश और मुख्य कार्यकारी अधिकारियों की समिति की मंजूरी के बाद अपनाया गया है।

दो समूहों में बंटी टीमें समूह-ए में आयरलैंड, पापुआ न्यू गिनी, स्कॉटलैंड, श्रीलंका और संयुक्त



नाबाद 223 रन रहा है। वेस्टइंडीज के भारत दौरे पर भी गिल ने दमदार प्रदर्शन किया था। उन्होंने तीन मैचों में 334 रन बनाए, जिसमें केरल में 110 रन और गुवाहाटी में 406 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए खेली गई नाबाद 223 रन की पारी शामिल रही। हालांकि, अंतिम वनडे में वह केवल एक रन बनाकर आउट हो गए थे। इस साल अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में गिल ने 15 मैचों की 15 पारियों में 91.25 की औसत से 1,095 रन बनाए हैं। इसमें चार शतक और छह अर्धशतक शामिल हैं। कप्तान के तौर पर भी गिल का प्रदर्शन शानदार रहा है। उन्होंने 31 मैचों में 37 पारियों के दौरान 72.83 की औसत से 2,258 रन बनाए हैं। इस दौरान उनके नाम नौ शतक और नौ अर्धशतक दर्ज हैं। कप्तान के रूप में उनका सर्वोच्च स्कोर

269 रन है। गिल ने 2024 में जिम्बाब्वे दौरे पर टी20 अंतरराष्ट्रीय टीम की कप्तानी की थी। इसके बाद उन्हें इंग्लैंड दौरे से पहले टेस्ट टीम की कप्तान सौंपी गई। भारत ने इंग्लैंड के खिलाफ पांच टेस्ट मैचों की श्रृंखला 2-2 से बराबर की थी। इस दौरे पर गिल ने चार शतकों की मदद से 754 रन बनाए थे। इसके बाद उन्हें रोहित शर्मा की जगह भारत का वनडे कप्तान नियुक्त किया गया। रोहित की कप्तानी में भारत ने 2025 में चैंपियंस ट्रॉफी का खिताब जीता था। न्यूजीलैंड दौरे पर गिल के पास अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में आठ हजार रन पूरे करने का मौका होगा। वह अब तक 149 मैचों की 182 पारियों में 7,625 रन बना चुके हैं। उनका औसत 47.95 है, जबकि उनके नाम 23 शतक और 32 अर्धशतक दर्ज हैं।

दिल्ली में विश्व पंजा कुश्ती चैंपियनशिप का आगाज, 60 से अधिक देशों के 1700 प्रतिभागी जुटे

नई दिल्ली,एजेंसी। राजधानी दिल्ली में गुरुवार को 47वीं विश्व पंजा कुश्ती चैंपियनशिप और 28वीं विश्व पैरा पंजा कुश्ती चैंपियनशिप-2026 का भव्य उद्घाटन हुआ। उद्घाटन समारोह में केंद्रीय संसदीय कार्य एवं अल्पसंख्यक कार्य मंत्री किरन रिजिजू, हमीरपुर से सांसद और पूर्व केंद्रीय खेल मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर तथा विश्व पंजा कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएएफ) के अध्यक्ष एसेन हाजितोदोरोव सहित खेल जगत की कई प्रमुख हस्तियां शामिल हुईं। पूर्वी दिल्ली स्थित लीला एम्बियंस कन्वेंशन होटल में आयोजित इस प्रतियोगिता का आयोजन भारत में पहली बार किया जा रहा है। इसमें 60 से अधिक देशों के 1,700 से ज्यादा खिलाड़ी, अधिकारी और अन्य प्रतिभागी हिस्सा ले रहे हैं। प्रतियोगिता का आयोजन पीपुल्स आमरिसलिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया (पीएएफआई) ने विश्व पंजा कुश्ती महासंघ के मार्गदर्शन में किया है। पीएएफआई की अध्यक्ष प्रीति झंगियानी और प्रो पंजा लीग के सह-संस्थापक परवीन डबास आयोजन से जुड़े प्रमुख चेहरों में शामिल हैं।

समारोह की शुरुआत केरल के पारंपरिक ढोल-नगाडों और नृत्य प्रस्तुतियों से हुई। इसके बाद भारत की सांस्कृतिक विविधता को दर्शाने वाले कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। विभिन्न देशों के खिलाड़ियों और प्रतिनिधियों ने परेड ऑफ नेशंस में हिस्सा लिया। इसके बाद किरन रिजिजू, अनुराग सिंह ठाकुर, एसेन हाजितोदोरोव, प्रीति झंगियानी और परवीन डबास सहित अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने दीप प्रज्वलित कर प्रतियोगिता का औपचारिक उद्घाटन किया।



किरन रिजिजू ने दुनिया भर से आए खिलाड़ियों का स्वागत करते हुए भारत में पहली बार विश्व चैंपियनशिप आयोजित किए जाने पर प्रसन्नता जताई। उन्होंने पीएएफआई की टीम को आयोजन के लिए बधाई दी और कहा कि भारत सभी प्रतिभागियों की मेजबानी कर गौरवान्वित महसूस कर रहा है। अनुराग सिंह ठाकुर ने भी 60 से अधिक देशों के खिलाड़ियों और अधिकारियों का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि इतने बड़े अंतरराष्ट्रीय आयोजन की मेजबानी भारत के लिए गर्व की बात है और खिलाड़ियों को प्रतियोगिता का यादगार अनुभव देने के लिए हरसंभव सहयोग किया जाएगा। समारोह का प्रमुख आकर्षण प्रो

पंजा लीग के खिलाड़ियों प्रसेनजीत पात्रा और अमित सिंह के बीच 20 मिनट का प्रदर्शनी मुकाबला रहा। अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधिमंडलों और खिलाड़ियों की मीटिंग्स में हुए इस मुकाबले ने भारत में पेशेवर पंजा कुश्ती की बढ़ती लोकप्रियता को रेखांकित किया। पीएएफआई की अध्यक्ष और एशियाई पंजा कुश्ती महासंघ की उपाध्यक्ष प्रीति झंगियानी ने कहा कि विश्व चैंपियनशिप की मेजबानी भारतीय खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों और अधिकारियों के सामूहिक प्रयासों का परिणाम है। उन्होंने पैरा खिलाड़ियों की भागीदारी को खेल के अधिक समावेशी भविष्य की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया।

सुजीत कलकल की लगातार जीत का सिलसिला विश्व कुश्ती चैंपियनशिप में टूटा, क्वार्टर फाइनल में हारे

नई दिल्ली। भारतीय पहलवान सुजीत कलकल को लगातार 24 मुकाबलों में जीत का सिलसिला गुरुवार को विश्व कुश्ती चैंपियनशिप में थम गया। पुरुषों के 65 किलोग्राम वर्ग के क्वार्टर फाइनल में सुजीत को ताजिकिस्तान के अब्दुलमजीद कुडियेव के खिलाफ 3-3 से हार का सामना करना पड़ा। मुकाबले में अंतिम अंक हासिल करने के आधार पर कुडियेव को विजेता घोषित किया गया। पिछले एक साल में अंडर-23 विश्व चैंपियनशिप, 2026 एशियाई खेलों के फाइनल में मात देकर स्वर्ण पदक जीता था। उस मुकाबले में सुजीत 2-9 से पिछड़ने के बाद लगातार आठ अंक जुटाकर विजेता बने थे। हालांकि, गुरुवार को वह उस प्रदर्शन को दोहरा नहीं सके। मुकाबले का शुरुआत में निष्क्रियता के कारण सुजीत को उसी प्रतिद्वंद्वी ने हराया, जिसे उन्होंने एशियाई खेलों के फाइनल में मात देकर स्वर्ण पदक जीता था। उस मुकाबले में सुजीत 2-9 से पिछड़ने के बाद लगातार आठ अंक जुटाकर विजेता बने थे। हालांकि, गुरुवार को वह उस प्रदर्शन को दोहरा नहीं सके। मुकाबले का शुरुआत में निष्क्रियता के कारण सुजीत को

पहला अंक गंवाना पड़ा। इसके बाद उन्होंने पहले दौर के समाप्त होने से पांच सेकंड पहले टेकडाउन के जरिए दो अंक लेकर 2-1 की

मैक्सवेल ने पांच और आरोन फिंच ने दो शतक लगाए हैं। हालांकि, इन दोनों में से कोई भी टेस्ट, एकदिवसीय और टी-20 अंतरराष्ट्रीय तीनों प्रारूपों में एक से अधिक शतक नहीं लगा सका है। मैक्सवेल के नाम चार एकदिवसीय शतक और एक टेस्ट शतक है। उनका टेस्ट शतक 2017 में भारत के खिलाफ आया था। फिंच ने एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 17 शतक लगाए, लेकिन टेस्ट में वह शतक नहीं बना सके। इस तरह इंग्लिस तीनों प्रारूपों में कई शतक लगाने वाले पहले ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज बन गए हैं। इंग्लिस ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ एकदिवसीय श्रृंखला के दौरान लगी उंगली में फ्रैक्चर की चोट से उबरने के बाद टेस्ट टीम में वापसी की। उन्होंने इससे पहले धरेलू मैदान पर 2025 की एशेज श्रृंखला में अपना आखिरी टेस्ट खेला था। निर्णायक मुकाबले के लिए ऑस्ट्रेलिया ने अपनी अंतिम एकादश में चार बदलाव किए, जिनमें इंग्लिस के अलावा कैमरन ग्रीन, नाथन लियोन और कूपर कोनोली को भी मौका मिला। इंग्लिस बल्लेबाजी के लिए तब उतरे, जब ऑस्ट्रेलिया का स्कोर तीन विकेट पर 184 रन था।

एक नजर

अबू मूसा और तुनब द्वीपों पर यूएई-कनाडा के दावे से भड़का ईरान, बयान को बताया हस्तक्षेपकारी

तेहरान। ईरान ने फारस की खाड़ी में स्थित अबू मूसा, ग्रेटर तुनब और लेसर तुनब द्वीपों को लेकर संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) और कनाडा के संयुक्त बयान पर कड़ी आपत्ति जताई है। ईरानी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघाई ने दोनों देशों के रुख को हस्तक्षेपकारी बताते हुए कहा कि ये तीनों द्वीप ईरान के क्षेत्र का अभिन्न और स्थायी हिस्सा हैं। बघाई ने कहा कि इन द्वीपों को लेकर बार-बार किए जा रहे निराधार दावों से भौगोलिक, ऐतिहासिक और कानूनी वास्तविकताएं नहीं बदलेंगी। उन्होंने कनाडा की ओर से यूएई के रुख का समर्थन किए जाने को अदूरदर्शी बताया और आरोप लगाया कि यह संयुक्त राष्ट्र चार्टर के सिद्धांतों का उल्लंघन है। ईरानी प्रवक्ता ने यूएई को अच्छे पड़ोसी की भावना के अनुरूप व्यवहार करने की सलाह भी दी। दरअसल, अबू धाबी के युवराज की इस सप्ताह ओटावा यात्रा के बाद जारी संयुक्त बयान में कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी और यूएई के राष्ट्रपति शेख खालिद बिन मोहम्मद बिन जयद अल नाहयान ने तीनों द्वीपों पर कथित कब्जा समाप्त करने की मांग की थी। बयान में कहा गया था कि इन द्वीपों पर ईरान का नियंत्रण यूएई की संप्रभुता और संयुक्त राष्ट्र चार्टर के सिद्धांतों के विरुद्ध है।

ग्रीक जहाज पर ड्रोन हमले के बाद वैश्विक समुद्री संघर्षविराम की मांग



एथेंस। बुल्गारिया के टट के पास ड्रोन हमले में ग्रीस का एक कंटेनर जहाज डूबने के बाद प्रधानमंत्री किरियाकोस मित्सोताकिस ने वैश्विक समुद्री संघर्षविराम की मांग की है। उन्होंने कहा कि युद्ध और संघर्ष के दौरान भी व्यापारिक जहाजों को समुद्र में सुरक्षित और निर्बाध आवाजाही का अधिकार मिलना चाहिए। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में ग्रीस की अध्यक्षता के तहत आयोजित समुद्री सुरक्षा पर उच्चस्तरीय बहस में मित्सोताकिस ने नागरिक व्यापारिक जहाजों को निशाना बनाए जाने को पूरी तरह अस्वीकार्य बताया। उन्होंने कहा कि यह घटना वैश्विक समुद्री संघर्षविराम की तत्काल आवश्यकता की एक और याद दिलाती है। मित्सोताकिस के मुताबिक, समुद्री मार्गों पर हमलों और नौवहन में बाधा से माल ढुलाई तथा बीमा की लागत बढ़ती है। इसका अंतिम बोझ उपभोक्ताओं पर पड़ता है। पश्चिमी काला सागर में इस महीने जहाजों पर हमलों की कई घटनाएं सामने आने के बीच उनकी यह टिप्पणी महत्वपूर्ण मानी जा रही है। ग्रीक प्रधानमंत्री ने तुर्किये और लीबिया के बीच हुए समुद्री समझौते का भी उल्लेख किया। इस समझौते का ग्रीस, साइप्रस और तीन अरब देशों ने विरोध किया है। मित्सोताकिस ने कहा कि कोई भी द्विपक्षीय समझौता समुद्री कानून से जुड़े अंतरराष्ट्रीय नियमों से ऊपर नहीं हो सकता। ये नियम देशों के बीच सहयोग और समुद्री विवादों के शांतिपूर्ण समाधान का आधार प्रदान करते हैं। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा, ‘हम अपने समुद्रों को जंगल नहीं बनने दे सकते।' उनका जोर समुद्री सुरक्षा, अंतरराष्ट्रीय कानून के पालन और व्यापारिक जहाजों की निर्बाध आवाजाही सुनिश्चित करने पर रहा।

होर्मुज जलडमरूमध्य खुलवाने के लिए हरसंभव प्रयास कर रहा ब्रिटेन: बर्नहैम



लंदन। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री एंजी बर्नहैम ने कहा है कि उनका देश होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलने और क्षेत्र में तनाव कम करने के लिए हरसंभव प्रयास कर रहा है। उन्होंने बताया कि इस मुद्दे पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ भी चर्चा हुई है। गुरुवार को पत्रकारों से बातचीत में बर्नहैम ने कहा कि ब्रिटेन की स्थिति को और बिगड़ने से रोकने तथा होर्मुज जलडमरूमध्य को पूरी तरह खोलने के प्रयासों में जुटा है। उन्होंने कहा कि इन प्रयासों के साथ यह भी सुनिश्चित करना जरूरी है कि ईरान परमाणु क्षमता हासिल न करे। होर्मुज जलडमरूमध्य वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति के लिहाज से बेहद अहम समुद्री मार्ग है। इसके बाधित होने से अंतरराष्ट्रीय तेल और गैस आपूर्ति तथा वैश्विक बाजारों पर असर पड़ सकता है।

नेपाल में आईजीपी कार्की ने खुद को अपदस्थ किए जाने की चर्चा के बीच आपात बैठक बुलाई

काठमांडू। नेपाल के पुलिस महानिरीक्षक (आईजीपी) दान बहादुर कार्की ने सरकारी हलकों में खुद को अपदस्थ किए जाने की चर्चा के बीच वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों की आपात बैठक बुलाई है। बैठक में काठमांडू के सभी अतिरिक्त महानिरीक्षक (एआईजी) सहित सातों प्रदेशों के पुलिस उपमहानिरीक्षकों (डीआईजी) को काठमांडू स्थित पुलिस मुख्यालय बुलाया गया है। आज दोपहर होने वाली पुलिस समन्वय समिति (पीसीसी) की बैठक में शामिल होने के लिए उन्हें मुख्यालय बुलाया गया है। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, सभी प्रदेशों के डीआईजी को आज दोपहर 12 बजे से 12:30 बजे के बीच पुलिस मुख्यालय में उपस्थित होने का निर्देश दिया गया। दोपहर 2 बजे निर्धारित पीसीसी की बैठक कार्की की अध्यक्षता में होगी। पुलिस संगठन के भीतर नीतिगत और महत्वपूर्ण फैसले लेने वाली इस बैठक को एक तरह से ‘मंत्रिपरिषद’ के समान माना जाता है। बैठक में देशभर की शांति-सुरक्षा की स्थिति, पुलिस संगठन के आंतरिक प्रबंधन और समसामयिक मुद्दों पर चर्चा होने की जानकारी दी गई है। बीते दिन प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह ने सत्तारूढ़ दल के अध्यक्ष रवि लामिछाने के घर जाकर उनके साथ चार घंटे चर्चा की थी।स्मझा जा रहा है कि इस बैठक में कार्की को हटाने पर भी चर्चा हुई। बीते दिन ही पुलिस प्रमुख कार्की दिन भर पुलिस मुख्यालय में अपने कानूनी सलाहकारों से मुलाकात में व्यस्त रहे।

ईरान के सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई का आह्वान- देश ‘न युद्ध, न शांति’ वाली स्थिति से बाहर आए

तेहरान (ईरान),एजेंसी। ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला सैयद मोजतबा खामेनेई ने कहा कि ‘न युद्ध, न शांति’ वाली स्थिति को खत्म करने का वक्त आ गया है। राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान ने कहा है कि सर्वोच्च नेता के आह्वान को देश की मंत्रिपरिषद को अवगत करा दिया गया है। सरकार से कहा गया कि वह इस आदेश को पूरी गंभीरता और अपनी पूरी क्षमता के साथ लागू करे। इरना की रिपोर्ट के अनुसार खामेनेई ने यह आह्वान बुधवार को किया। राष्ट्रपति ने खामेनेई के सर्वोच्च राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के सचिव को दिए गए इस निर्देश को देश के भविष्य के लिए एक महत्वपूर्ण दिशा बताया है। बुधवार की मंत्रिपरिषद की बैठक में राष्ट्रपति ने देश के भीतर और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हो रहे घटनाक्रमों पर चर्चा की। उन्होंने खामेनेई के आह्वान की सराहना की।राष्ट्रपति ने किसी भी नई स्थिति का सामना करने के लिए लगातार तैयार रहने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने सलाह दी कि सभी मंत्रियों और कार्यकारी शाखा के प्रमुखों व उनके सहायकों को जरूरतों के हिसाब से पूरी तरह तैयार रहना चाहिए। पेजेशकियान ने कहा कि दुश्मनों को यह नहीं सोचना चाहिए कि वे ईरान के संकल्प को कमजोर कर सकते हैं या देश को आत्मसमर्पण करने के लिए मजबूर कर सकते हैं। पेजेशकियान ने इस मौके पर हाल ही में अमेरिका और इजराइल के युद्ध में शहीद लोगों को श्रद्धांजलि दी।

राष्ट्रपति ने कहा कि ईरानी नागरिकों और बच्चों की हत्या को अंतरराष्ट्रीय मंचों पर उठाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि युद्ध शहीदों को

इजराइली चुनाव में दखल के आरोपों को कतर ने बताया ‘बेतुका और खतरनाक’

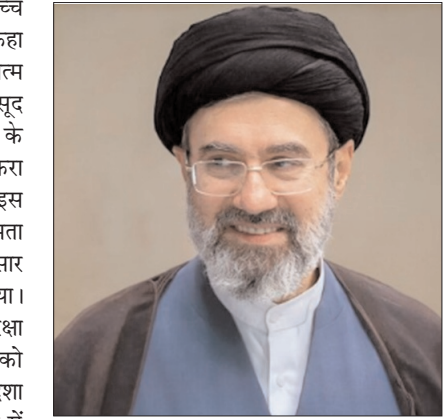


दोहा। कतर ने इजराइल के चुनावों में हस्तक्षेप करने और उनके नतीजों को प्रभावित करने के लिए धन मुहैया कराने के आरोपों को सिरे से खारिज करके ‘बेतुका और खतरनाक’ बताया है। कतर के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता माजिद अल-अंसारी ने सोशल मीडिया मंच ‘एक्स’ पर कहा कि कतर इजराइल के चुनावों में हस्तक्षेप करने या उनके परिणामों को प्रभावित करने के उद्देश्य से किसी गतिविधि को वित्तपोषित करने के आरोपों का स्पष्ट रूप से खंडन करता है। उन्होंने कहा कि कुछ इजराइली राजनेताओं और मीडिया से जुड़े लोगों की ओर से कतर पर तरह-तरह के आरोप लगाए जा रहे हैं। पहले कतर पर इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और राजनीतिक वामपंथ को ‘खतरनाक’ बताया है। कतर के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता माजिद अल-अंसारी ने सोशल मीडिया मंच ‘एक्स’ पर कहा कि कतर इजराइल के चुनावों में हस्तक्षेप करने या उनके परिणामों को प्रभावित करने के उद्देश्य से किसी गतिविधि को वित्तपोषित करने के आरोपों का स्पष्ट रूप से खंडन करता है। उन्होंने कहा कि कुछ इजराइली राजनेताओं

नेपाल में चक्रवात ‘अर्नब’ के प्रभाव को देखते हुए विमानन सुरक्षा सतर्कता बढ़ाने का निर्देश

काठमांडू,एजेंसी। नेपाल के नागरिक उड्डयन प्राधिकरण ने चक्रवात ‘अर्नब’ के संभावित प्रभाव से होने वाले नुकसान को कम करने के लिए विमानन सुरक्षा संबंधी सावधानियां बरतने का आग्रह किया है। प्राधिकरण ने आज एक सुरक्षा परिपत्र जारी करते हुए हवाई सेवा प्रदाताओं, हवाई अड्डा संचालकों, विमान कंपनियों और अन्य संबंधित निकायों को आवश्यक सतर्कता बरतने का निर्देश दिया। प्राधिकरण के अनुसार, इस मौसम प्रणाली के कारण नेपाल के पर्वतीय और उच्च पहाड़ी क्षेत्रों में मध्यम से भारी बारिश, गरज-चमक, तेज हवाएं और बर्फबारी हो सकती है।

प्राधिकरण ने 29 और 30 अक्टूबर को विशेष सतर्कता बरतने की सलाह दी। भारी बारिश, तेज हवाओं और दृश्यता कम होने से विमानों के उड़ान भरने और उतरने, हवाई अड्डों के संचालन तथा रनवे की स्थिति प्रभावित हो सकती है। इसके अलावा, प्राधिकरण ने हवाई यातायात प्रबंधन से जुड़े निकायों को प्रतिक्रिया मौसम की स्थिति से निपटने के लिए प्रभावी उड़ान प्रबंधन योजना तैयार करने और आवश्यकता के अनुसार अन्य विमानन इकाइयों के साथ समन्वय करने का निर्देश दिया है। यदि मौसम की स्थिति निर्धारित परिचालन सीमाओं से अधिक खराब हो जाती है, तो उड़ानों के मार्ग में बदलाव, विमानों को निर्धारित क्षेत्र में प्रतीक्षा कराने या अन्य आवश्यक परिचालन उपाय अपनाने को



संयुक्त राष्ट्र, अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों, ब्रिक्स और शंघाई सहयोग संगठन के शिखर सम्मेलनों, पर्यावरण सम्मेलनों, और विभिन्न राजनयिक बैठकों पर सम्मानित किया गया है। पेजेशकियान ने मिनाब और लामेर्द में नागरिकों खासकर बच्चों और छात्रोंपर हुए हमलों की निंदा की। उन्होंने इन हमलों को मानवीय सिद्धांतों और अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानून के नियमों के खिलाफ बताया। उन्होंने अमेरिका और उसके पश्चिमी और क्षेत्रीय समर्थकों की ओर इशारा करते हुए कहा, ‘एक तरफ आतंकवाद से लड़ने की बातें की जा रही हैं और दूसरी तरफ स्कूलों, अस्पतालों, खेल सुविधाओं और रिहायशी घरों को निशाना बनाया जा रहा है। यह इन लोगों के दावों और उनके असल बर्ताव के बीच के विरोधाभास पर गंभीर सवाल खड़े करता है। ‘ इस दौरान विदेशमंत्री अब्बास अरागची सहित कई मंत्रियों ने राजनयिक घटनाक्रमों और क्षेत्रीय

विचार-विमर्श पर एक रिपोर्ट पेश की। इसमें कतर के प्रतिनिधिमंडल, पाकिस्तान के सेना प्रमुख की यात्राओं, सऊदी अरब, पाकिस्तान और तुर्किये के तीन उच्चस्तरीय अधिकारियों के साथ हुई बातचीत का विवरण शामिल रहा। इसके अलावा, राष्ट्रपति की माँस्को यात्रा के बारे में भी एक रिपोर्ट पेश की गई।

इरना की एक और रिपोर्ट के अनुसार, इस्लामिक क्रांति के सर्वोच्च नेता खामेनेई ने बुधवार को देशभर के विश्वविद्यालय के छात्रों के पत्रों का जवाब दिया। उन्होंने जवाबी पत्रों में युवाओं से आग्रह किया कि वे इस्लामिक गणराज्य को ‘प्रगति के शिखर’ तक ले जाने के लिए खुद को जान और आस्था से सुसज्जित करें। ईरानी संसद के अध्यक्ष मोहम्मद बागेर गालिबार्ज ने इससे पहले 27 अक्टूबर को संसद को संबोधित करते हुए कहा कि मोजतबा खामेनेई ‘पूरी तरह स्वस्थ’ हैं और उनका मनोबल ऊंचा है। बताया गया है कि खामेनेई से हाल ही में ईरान के राष्ट्रपति और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने मुलाकात की हैं। ईरानी राजनयिक अब्दुल मजीद हकीम इलाही के अनुसार, राष्ट्रपति के साथ उनकी करीब 7 घंटे की बैठक हो चुकी है। उधर, फरवरी 2026 में अमेरिकी-इजराइली हमलों (जिसमें उनके पिता अली खामेनेई की मृत्यु हो चुकी है) के बाद से मोजतबा खामेनेई का कोई ताजा लाइव वीडियो या ऑडियो संदेश सार्वजनिक नहीं हुआ है। ईरानी अधिकारियों का कहना है कि सुरक्षा कारणों से वह अभी सार्वजनिक मंचों पर नहीं आ रहे हैं और पदों के पीछे से देश का कामकाज संभाल रहे हैं।

चक्रवात ‘अर्नब’ का असर, नेपाल में आज से 31 अक्टूबर तक बारिश-बर्फबारी की चेतावनी

काठमांडू। नेपाल में चक्रवात ‘अर्नब’ और पश्चिमी हवाओं के प्रभाव से देश के विभिन्न हिस्सों में बारिश और बर्फबारी होने की संभावना है। मौसम में संभावित बदलाव को देखते हुए लोगों से सतर्क रहने की अपील की गई है। मौसम विज्ञान विभाग ने चेतावनी जारी करते हुए कहा है कि 29 से 31 अक्टूबर तक मौसम प्रभावित हो सकता है। विभाग ने लोगों से आवश्यक सावधानी बरतने का आग्रह किया है। विभाग की ओर से जारी सूचना के अनुसार, गुरुवार को देश के हिमाली जिलों में बर्फबारी होने या बर्फौली आंधी चलने की संभावना है। वहीं, शुक्रवार और शनिवार को देशभर में बारिश और बर्फबारी होने का पूर्वानुमान है।

संभावित मौसम परिवर्तन को देखते हुए बृहस्पतिवार को हुम्ला, मुगु, डोल्पा, जुम्ला, कालिकोट, जाजरकोट और दैलेख सहित अन्य जिलों के लोगों को विशेष सतर्कता बरतने को कहा गया है। विभाग ने नियमित रूप से मौसम संबंधी अपडेट लेते रहने की भी अपील की है। संभावित बारिश के कारण भूस्खलन, बाढ़ और मिट्टी व मलबे के बहाव का खतरा बढ़ सकता है। पर्वतीय क्षेत्रों में बर्फौले तूफान और हिमस्खलन की आशंका भी जताई गई है। ऐसे में लोगों को विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी गई है। लोगों से यथासंभव पर्वतीय क्षेत्रों की यात्रा से बचने को कहा गया है। अत्यावश्यक होने पर मौसम की स्थिति की जानकारी लेने के बाद ही यात्रा करने की सलाह दी गई है। पहाड़ी और पर्वतीय क्षेत्रों की जोखिमपूर्ण सड़कों तथा



यरुशलम,।

इजराइल में मंगलवार को हुए नेसेट (संसदीय) चुनाव में विदेशी फंडिंग के आरोपों को केंद्रीय चुनाव समिति ने गंभीरता से लिया है। समिति के अध्यक्ष जस्टिस नोम सोलबर्ग ने देश की खुफिया एजेंसी शिन बेट प्रमुख डेविड जिनी को पत्र लिखकर चुनाव को प्रभावित करने के उद्देश्य से आई विदेशी फंडिंग की जांच करने का निर्देश दिया है। यह जांच इस संदेह और आरोप पर केंद्रित है कि अरब संस्थाओं ने अरब आबादी वाले इलाकों में अवैध रूप से मतदान प्रतिष्ठित बढ़ाने के लिए भारी मात्रा में धन भेजा है।

द टाइम्स ऑफ इजराइल और द यरुशलम पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार जस्टिस सोलबर्ग ने संदिग्ध विदेशी फंडिंग और चुनावी रिश्तखोरी की जांच के लिए जारी निर्देश में लिखा, ‘मेरे सामने ऐसी गंभीर अंशकाएं आई हैं कि चुनाव के दौरान इजराइल के हितों के खिलाफ काम करने वाली संस्थाओं ने विदेशी फंडिंग के जरिए अनुचित प्रभाव डालने की कोशिश की है। उन्होंने लिखा, ‘इसलिए, मैं आपको निर्देश देता हूं कि आप इन आरोपों की जांच के लिए अपनी पूरी क्षमता का उपयोग करें। साथ ही, इन संदेहों

की पुष्टि या खंडन करने के लिए सबूत जुटाने को लेकर ‘जनरल सिक्वोरिटी सर्विस’ (शिन बेट) को प्राप्त अधिकारों का इस्तेमाल करें।’ सोलबर्ग ने शिन बेट प्रमुख से एक हफ्ते के भीतर जांच रिपोर्ट तलब की है। ‘आर्मी रेडियो’ की रिपोर्ट के अनुसार चैनल 13 ने शिन बेट की जांच के विवरण को प्रसारित किया है। इसमें उन माध्यमों की जांच भी शामिल है, जिनका इस्तेमाल विदेशी स्रोतों से धन भेजने के लिए किया गया। आर्मी रेडियो के मुताबिक, जांचकर्ताओं को संदेह है कि चुनाव में दखल देने के लिए धन भेजने में जिन माध्यमों का इस्तेमाल किया गया, वे पहले आतंकवादी संगठनों और दुश्मन देशों में मौजूद करेंसी एक्सचेंज और शाखाओं से जुड़े रहे हैं। इसके अलावा ऐसी खबरें भी सामने आई हैं कि ‘राअम’ पार्टी के लिए नकद रकम और वोटिंग पर्चियों से भरे लिफाफे पकड़े गए हैं। शिन बेट अब इस बात की जांच करगी कि यह पैसा विदेशी संस्थाओं के माध्यम से आया या इजराइल के भीतर ही किसी स्रोत से। सबसे पहले इजराइल के वित्तमंत्री बेजालेल् स्मोत्रिच ने एक्स पर विदेशी फंडिंग के जरिए चुनाव में हस्तक्षेप के शक की कड़ी जांच की मांग की।



ट्रेकिंग मार्गों पर यात्रा करने वालों को मौसम के पूर्वानुमान पर विशेष ध्यान देने को कहा गया है। धान की कटाई का मौसम चल रहा है। ऐसे में किसानों से भी फसल काटने और उसे खेतों से घर लाने से पहले मौसम के पूर्वानुमान की जानकारी लेने का आग्रह किया गया है। खेतों में काटकर छोड़ी गई धान की फसल बारिश में भीगकर खराब हो सकती है। इसलिए किसानों को मौसम के पूर्वानुमान के अनुसार कटाई और फसल के भंडारण की योजना बनाने की सलाह दी गई है। मौसम से जुड़े संभावित खतरों को देखते हुए देश के पर्वतीय और पहाड़ी जिलों के प्रमुख जिला अधिकारियों ने भी लोगों से

सावधानीपूर्वक यात्रा करने की अपील की है। डोल्पा की प्रमुख जिला अधिकारी जुनु हमाल ने बताया कि लोगों से मौसम की स्थिति को ध्यान में रखते हुए सावधानीपूर्वक यात्रा करने को कहा गया है। इसी तरह, हुम्ला जिला प्रशासन कार्यालय ने भी सूचना जारी कर लोगों से मौसम का पूर्वानुमान देखने के बाद ही यात्रा पर निकलने का आग्रह किया है। संभावित जोखिमों से बचने के लिए स्थानीय निवासियों, किसानों और यात्रियों को नियमित रूप से आधिकारिक मौसम पूर्वानुमान की जानकारी लेने तथा जोखिम वाले क्षेत्रों में विशेष सतर्कता बरतने की जरूरत है।

बालेंद्र शाह और रवि लामिछाने के बीच चार घंटे तक चली बैठक, पुलिस प्रमुख को हटाने पर चर्चा के संकेत

काठमांडू। नेपाल के प्रधानमंत्री बालेंद्र शाह और राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (आरएसपी) के अध्यक्ष रवि लामिछाने ने बुधवार को यहां बूढानीलकंठ स्थित लामिछाने के आवास पर बैठक की। यह बैठक करीब चार घंटे तक चली। रवि के निकटवर्तम सूत्रों के अनुसार, दोनों के बीच कई संवेदनशील राजनीतिक और सरकारी मुद्दों पर चर्चा हुई। प्रधानमंत्री शाह अपने मुख्य सलाहकार कुमार बेन के साथ लामिछाने से मिलने पहुंचे। लामिछाने रविवार देररात एयर इंडिया की उड़ान से दिल्ली से काठमांडू लौटे थे।

वरिष्ठ सुरक्षा सूत्र ने बताया कि बैठक सुबह करीब 10:15 बजे शुरू हुई और दोपहर 2:15 बजे तक चली। आरएसपी से जुड़े लोगों ने अनौपचारिक रूप से बैठक की पुष्टि की है। इस वजह से बुधवार को होने वाली मंत्रिपरिषद की बैठक भी स्थगित कर गुरुवार के लिए निर्धारित कर दी गई। रवि लामिछाने के सचिवालय के तरफ से कहा गया है कि, ‘कुछ बेहद संवेदनशील मुद्दों पर निर्णय लेने से पहले साझा सहमति बनाना जरूरी है। इसी वजह से बैठक लंबी चली।’ उनके अनुसार, बैठक में तत्काल लिए जाने वाले फैसलों, अध्यादेशों और कुछ महत्वपूर्ण राजनीतिक नियुक्तियों पर भी चर्चा हुई है। अनेक नियुक्तियों को लेकर दोनों नेताओं के बीच अभी सहमति नहीं बन पाई है। नेपाल

पुलिस के महानिरीक्षक (आईजीपी) दान बहादुर कार्की से जुड़े मुद्दों पर भी चर्चा होने की बात कही जा रही है, हालांकि इसका विवरण स्पष्ट नहीं हैं। प्रधानमंत्री के करीबी एक सलाहकार ने संकेत दिया कि वर्तमान पुलिस प्रमुख को हटाकर किसी और को पुलिस प्रमुख बनाने को लेकर दोनों शीर्ष नेताओं में बातचीत जरूर हुई है लेकिन अभी सहमति की पुष्टि नहीं हो पाई है। सलाहकार ने कहा, ‘आईजीपी कई मामलों में अपने कर्तव्य का पालन नहीं कर पाए, इसलिए उन्हें बदलने को लेकर चर्चा हुई है। इस बीच, कार्की से जुड़े मुद्दों पर चर्चा के लिए आज सिंहहरबार में संसदीय उपसमिति की बैठक निर्धारित की गई है। इसमें पुलिस को हटाने के लिए आरएसपी अध्यक्ष ने अपनी निजी यात्रा से जुड़े विभिन्न पहलुओं की जानकारी प्रधानमंत्री को दी। रिपोर्ट के मुताबिक, प्रधानमंत्री शाह ने नई दिल्ली यात्रा की तैयारियां शुरू कर दी हैं।

एक नजर

भाजपा के वरिष्ठ नेता चंद्रशेखर मिश्रा पंचतत्व में विलीन, नम आंखों से दी गई अंतिम विदाई

पूर्वी सिंहभूम। जनसंघ के दौर से भारतीय जनता पार्टी को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं जमशेदपुर महानगर के पूर्व जिलाध्यक्ष चंद्रशेखर मिश्रा का गुरुवार को पूरे सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया। भुइयांडीह स्थित स्वर्णरेखा बर्निंग घाट पर उनके बड़े पुत्र नवीन मिश्रा ने मुखाग्नि दी। इस दौरान भाजपा नेताओं, कार्यकर्ताओं और शुभचिंतकों ने नम आंखों से उन्हें अंतिम विदाई दी। पार्टी का ध्वज ओढ़ाकर उन्हें सम्मानपूर्वक श्रद्धांजलि अर्पित की गई। चंद्रशेखर मिश्रा के पार्थिव शरीर को अंतिम संस्कार से पहले साकची स्थित भाजपा जिला कार्यालय लाया गया। यहां उनके अंतिम दर्शन के लिए नेताओं और कार्यकर्ताओं की भारी भीड़ उमड़ी। पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास, पूर्व केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा, सांसद विद्युत वरण महतो, भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष नीलकंठ सिंह मुंडा एवं आभा महतो, पूर्व विधायक मेनका सरदार, जिला प्रभारी बबन गुप्ता और महानगर अध्यक्ष संजीव सिन्हा सहित अनेक नेताओं ने पार्थिव शरीर पर पार्टी का ध्वज ओढ़ाकर पुष्प अर्पित किए। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने ‘चंद्रशेखर बाबा अमर रहें’ के नारे लगाकर अपने प्रिय नेता को श्रद्धांजलि दी। स्वर्णरेखा बर्निंग घाट पर पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास ने भी अंतिम दर्शन कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। वहीं, भालुबासा के इंद्रानगर स्थित उनके आवास पर भी अंतिम दर्शन के लिए लोगों का तांता लगा रहा। विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों, भाजपा कार्यकर्ताओं और स्थानीय लोगों ने उनके निधन पर शोक जताते हुए उनके योगदान को याद किया।

जेल में बंद बांग्लादेशी हिंदू शरणार्थी जल्द होंगे रिहा, सीएए के तहत मिलेगी नागरिकता : शुभेंदु अधिकारी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने गुरुवार को उत्तर दिनाजपुर जिले के रायगंज में एक जनसभा को संबोधित करते हुए एक महत्वपूर्ण घोषणा की। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश में कथित तौर पर जमात के सदस्यों के हमलों से बचकर भारत की सीमा में दाखिल होने वाले हिंदू शरणार्थियों को जल्द ही सुधार गृहों (जेएल) से रिहा कर दिया जाएगा। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि इन हिंदुओं ने अपने जीवन और धर्म की रक्षा के लिए भारत में शरण ली थी, इसलिए उन्हें सलाखों के पीछे नहीं रखा जाना चाहिए। मुख्यमंत्री ने उत्तर दिनाजपुर जिले के सुधार गृहों में बंद इन शरणार्थियों की रिहाई सुनिश्चित करने के लिए त्वरित कदम उठाने का आदेश दिया। जनसभा में मौजूद राज्य के कानून मंत्री बिराज बिस्वास को मंच से ही इसके लिए आवश्यक कानूनी प्रक्रिया शुरू करने की जिम्मेदारी सौंपी गई। अधिकारी ने प्रशासन से भी बिना किसी देरी के इस मामले की जांच करने का आग्रह किया। नागरिकता के मुद्दे पर बोलते हुए मुख्यमंत्री ने आश्वासन दिया कि योग्य शरणार्थियों को नागरिकता (संशोधन) अधिनियम (सीएए) के तहत भारतीय नागरिकता प्रदान की जाएगी। उन्होंने बताया कि अब तक लगभग 9,000 आवेदन प्राप्त हुए हैं और उम्मीद जलाई कि 30 नवंबर तक यह प्रक्रिया पूरी कर ली जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री ने मुझे उम्मेद नागरिकता प्रमाण पत्र जारी करने की जिम्मेदारी सौंपी है। यह भी बताया कि अनुसूचित जाति वर्ग के आवेदकों को जाति प्रमाण पत्र दिए जाएंगे और सभी योग्य आवेदकों को जनवरी, 2027 में मतदाता सूची में शामिल कर लिया जाएगा। उन्होंने सीमावर्ती इलाकों में यह रहे बांग्लादेश से आए लोगों से पास्ता मानदंडों को पूरा करने की स्थिति में सीएए के तहत नागरिकता के लिए आवेदन करने की अपील की। उत्तर दिनाजपुर जिले की भारत-बांग्लादेश सीमा से निकटता को देखते हुए मुख्यमंत्री ने सीमा सुरक्षा बल और राज्य पुलिस के बीच समन्वय पर जोर दिया और स्थानीय निवासियों से सुरक्षा एजेंसियों का सहयोग करने की अपील की।

पाकिस्तान तक फैले 05 लाख फर्जी ई-मेल नेटवर्क का खुलासा, हमारे तीर्थस्थल संस्कृति, अर्थव्यवस्था**यूपी एटीएस ने कानपुर नगर के अंकित को किया गिरफ्तार**

लखनऊ, एजेंसी। योगी सरकार में उत्तर प्रदेश में सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने और देशविरोधी गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए यूपी एटीएस लगातार सक्रिय है। इसी क्रम में यूपी एटीएस ने फर्जी ई-मेल आईडी बनाकर उन्हें देश के बाहर बैठे लोगों को बेचने और धमकी भरे ई-मेल भेजने के मामले में कानपुर नगर से 24 वर्षीय अंकित सांखवार को गिरफ्तार किया है। जांच में सामने आया है कि इन ई-मेल आईडी का इस्तेमाल नोएडा, दिल्ली-एनसीआर, गुरुग्राम और मुंबई में स्कूलों व महत्वपूर्ण प्रतिष्ठाओं को बम से उड़ाने की धमकी देने के लिए किया गया था।

इस मामले में सिंगर दिलजीत दोसांझ के दिल्ली-एनसीआर में प्रस्तावित शो को बम धमाके से निशाना बनाने की धमकी भी शामिल है। साथ ही एक बॉलीवुड अभिनेता के घर पर भी बम धमाका करने की धमकी दी गई थी। आरोपित पाकिस्तान, बांग्लादेश और अन्य देशों में बैठे लोगों को फर्जी ई-मेल आईडी बेचता था और इसके बदले क्रिप्टोकॉरेंसी में भुगतान लेता था। एटीएस ने आरोपित के पास से मोबाइल फोन और लैपटॉप बरामद किया है। लैपटॉप में करीब 05 लाख ई-मेल आईडी मिली हैं। यूपी एटीएस के मुताबिक आरोपित वर्ष 2021 से फर्जी ई-मेल आईडी बनाने का काम कर रहा था। वह वाई-फाई और प्रॉक्सी नेटवर्क का इस्तेमाल कर अपनी पहचान छिपाता था। इन आईडी को सोशल मीडिया के



फेसबुक से जुड़े ग्रुप्स के जरिए बेच रहा था। पूछताछ में पाकिस्तान, बांग्लादेश, तुर्किये, मिस्र और अन्य देशों के लोगों व समूहों से संपर्क भी सामने आया है। आरोपित के मोबाइल में अलग-अलग देशों के नंबरों से व्हाट्सएप नंबर और बड़ी मात्रा में यूएसडीटी क्रिप्टोकॉरेंसी लेन-देन से जुड़ी जानकारी भी मिली है। एटीएस के मुताबिक, आरोपी ने बांग्लादेशी नागरिक अलामीन इस्लाम को

फर्जी ई-मेल आईडी उपलब्ध कराई थी। इसके बदले उसे 06 हजार यूएसडीटी भुगतान किए गए। जांच एजेंसी अब इस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की भूमिका का पता लगाने में जुटी है। जिस ई-मेल आईडी से नोएडा, दिल्ली और गुरुग्राम के स्कूलों को धमकी भरे संदेश भेजे गए, वह आरोपी के लैपटॉप और मोबाइल में मिली फर्जी आईडी में शामिल थी। इन ईमेल में खालिस्तान नेशनल आर्मी और बम्बर खालसा

का नाम लेकर धमकियां दी गई थीं। पंजाबी गायक दिलजीत दोसांझ के दिल्ली-एनसीआर में प्रस्तावित कार्यक्रम और एक प्रसिद्ध बॉलीवुड अभिनेता के घर को भी निशाना बनाने की धमकी भी शामिल है। इसके अतिरिक्त, 23 अक्टूबर 2026 को मुंबई में मेयर कार्यालय को बम विस्फोट की धमकी भेजने के मामले में इस्तेमाल हुई एक अन्य ई-मेल आईडी भी आरोपित के पास मिली। एटीएस के मुताबिक, 12 अक्टूबर को नोएडा के स्कूलों और अन्य स्थानों पर भेजे गए धमकी भरे ई-मेल से संबंधित आईडी भी जांच में सामने आई है।

गिरफ्तारी के दौरान बरामद लैपटॉप की एक्सेल फाइलों में करीब 5 लाख ई-मेल आईडी मिली हैं। इन आईडी के साथ पासवर्ड, रिकवरी ई-मेल और टू-फैक्टर ऑथेंटिकेशन से जुड़ी जानकारी भी दर्ज थी। एटीएस की जांच में सामने आया कि आरोपी फर्जी ई-मेल आईडी उपलब्ध कराने के बदले बाईनेंस क्रिप्टो वॉलेट के जरिए भुगतान लेता था। बांग्लादेशी नागरिक अलामीन इस्लाम के साथ व्हाट्सएप पर संपर्क और भुगतान से जुड़े साक्ष्य भी मिले हैं। इस संबंध में लखनऊ एटीएस थाने में संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है। आरोपी को न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत कर पुलिस कस्टडी रिमांड मांगने की प्रक्रिया चल रही है, ताकि साजिश से जुड़े अन्य लोगों तक पहुंचा जा सके।

प्रयागराज। हमारे तीर्थस्थल केवल पूजा के स्थान नहीं, बल्कि हमारी संस्कृति, अर्थव्यवस्था और चेतना के आधार हैं। भारतीय संस्कृति मानवता को दिशा देने वाली संस्कृति है। इसके संरक्षण के साथ तीर्थस्थलों का विकास, युवाओं के लिए रोजगार और स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूत करना जरूरी है। यह बातें उत्तर प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने गुरुवार को उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र में आयोजित उत्तर प्रदेश दर्शन समिट-2026 में कहीं। डेवलपमेंट लीडर्स अलायंस (डीएलए) की ओर से वीजा इंक के सहयोग और पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री की सहभागिता में आयोजित सम्मेलन का विषय ‘उत्तर प्रदेश : जहां आस्था का भविष्य मिलन होता है’ रहा। इसमें आध्यात्मिक, सांस्कृतिक और ऐतिहासिक विरासत को पर्यटन, आधुनिक तकनीक तथा स्थानीय विकास से जोड़ने पर चर्चा हुई। मुख्य अतिथि सतीश महाना ने कहा कि भारत की संस्कृति हर प्राणी के प्रति सद्भाव रखने की सीख देती है। हमारी संस्कृति और परंपराएं संस्कारों



से परिपूर्ण हैं तथा दृढ़ इच्छाशक्ति को मजबूत बनाती हैं। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति पर आघात करने वालों से अधिक खतरा उन लोगों से है, जो गलत होते देखकर भी चुप रहते हैं। ऋषि-मुनियों, संतों और महापुरुषों की इस धरती के लोगों का लक्ष्य राष्ट्र का वैभव बढ़ाना होना चाहिए। प्रमुख वक्ता आचार्य श्रीकांत मिश्रा ने कहा कि तीर्थस्थलों का विकास करते समय उनकी धार्मिक परंपराओं, मौलिक पहचान और मर्यादाओं का संरक्षण जरूरी है। श्रद्धालुओं की सुविधाएं बढ़ाने के साथ प्राचीन परंपराओं को भी सुरक्षित रखा जाना चाहिए। जिला पंचायत अध्यक्ष वीके सिंह ने ग्रामीण

क्षेत्रों में पर्यटन की संभावनाओं पर प्रकाश डालते हुए तीर्थस्थलों से जुड़े गांवों में संपर्क मार्ग, आधारभूत सुविधाएं और स्थानीय रोजगार बढ़ाने पर जोर दिया। वहीं, वीजा के प्रतिनिधि राहुल कपाड़िया ने डिजिटल भुगतान और तकनीकी सुविधाओं को पर्यटन विकास के लिए महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि इससे स्थानीय व्यापारियों और छोटे उद्यमियों को भी लाभ मिल सकता है। सच्चा बाबा आश्रम के डॉ. चंद्रदेव मिश्र ने आध्यात्मिक पर्यटन के साथ पर्यावरण संरक्षण, सेवा और सामाजिक उत्तरदायित्व को प्राथमिकता देने की बात कही।

1 नवंबर को रामलीला मैदान में उमड़ेगा जनसैलाब: ‘वोट चोर, गद्दी छोड़!’ के नारे के साथ लोकतंत्र बचाने का आह्वान!**मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे, SIR रह करने और बैलेट पेपर से चुनाव कराने की मांग को लेकर लाखों लोग होंगे लामबंद**

एम.जबिउल्लाह, सद्भावना टुडे
इंडिया ब्लॉक ने 1 नवंबर 2026 को दिल्ली के रामलीला मैदान में आयोजित होने वाली विशाल जनसभा में लाखों की संख्या में शामिल होने का आह्वान किया है। ‘वोट चोर, गद्दी छोड़!’, ‘लोकतंत्र बचाओ!’ और ‘मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार इस्तीफा दो!’ ‘SIR रह करो’ के नारों के साथ यह जनसभा देश में स्वतंत्र, निष्पक्ष और पारदर्शी चुनाव सुनिश्चित करने के संघर्ष को नई ताकत देगी। इंडिया ब्लॉक, दिल्ली की जनता से अपील करती है कि वह अपने लोकतांत्रिक अधिकारों की रक्षा के लिए बड़ी संख्या में रामलीला मैदान पहुंचे।

बैठक में दिल्ली कांग्रेस के महासचिव संगठन, पूर्व विधायक अनिल भारद्वाज, अनुज आत्रेय, सीपीआई एम के अनुराग सक्सेना, सीपीआई के प्रो0 दिनेश वर्णय, आरजेडी के नवल किशोर, फारवर्ड ब्लाक के धर्मेन्द्र वर्मा, आरएसपी के आर एस डागर, आरजेडी के आईन अहमद, सीपीआई (ML) की स्वेता मौजूद थीं। दिल्ली कांग्रेस के महासचिव संगठन व पूर्व विधायक अनिल भारद्वाज ने कहा कि भाजपा पदों के पीछे से व्यापारी के नुकसान का बहाना बना कर इंडिया ब्लॉक की रैली रोकने का दुष्प्रचार कर रही है वहीं दूसरी ओर चादनी चौक जैसे बड़े व्यापारिक बाजार में आज मार्च निकाल कर भाजपा अपना राजनीतिक दोगलापन दिखा रही है। एक तरफ भाजपा व्यापारियों की हितेषी बनती है और दूसरी तरफ भीड़भाड़ वाले क्षेत्र में राजनीतिक प्रदर्शन मार्च निकाल कर सभी नियमों का सीधे तौर पर उलंघन कर रही है और व्यापारियों को नुकसान पहुंचाने का काम कर रही है। उन्होंने कहा कि विपक्ष को अपनी आवाज उठाने के लिए पुलिस और प्रशासन किसी भी मार्च या कार्यक्रम को करने की इजाजत नहीं देता, लेकिन भाजपा की तानाशाही ही है कि उस अत्यधिक व्यस्त क्षेत्र में लालकिला से टाउन हॉल तक मार्च निकालने की इजाजत मिल जाती है। इंडिया ब्लॉक, बिहार, बंगाल और दिल्ली के बाद



हाल के दिनों में उत्तर प्रदेश के पीलीभीत, उत्तर प्रदेश से सामने आए मामले ने चुनावी प्रक्रिया की निष्पक्षता पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। स्ट्रुक् के बाद मतदाता सूची में EPIC नंबर वही रहने के बावजूद उसके साथ दर्ज मतदाता का नाम और अन्य विवरण बदल जाने की शिकायतों की जांच में बड़े पैमाने पर अनियमितताएं सामने आई हैं। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, पीलीभीत में निधनसभा क्षेत्र में मतदाता विवरण के संशोधन के लिए दर्ज 13,779 फॉर्म-8 प्रविष्टियों में से 10,470 स्वीकृत प्रविष्टियों में अनियमितताएं पाई गईं। जांच में इन प्रविष्टियों से संबंधित आवेदन फॉर्म और सहायक दस्तावेज कार्यालय में उपलब्ध नहीं मिले। उत्तर प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई, निर्वाचन पंजीकरण अधिकारियों के खिलाफ विभागीय कार्रवाई तथा संबंधित कंप्यूटर ऑपरेटर की सेवाएं समाप्त करने के निर्देश दिए हैं।

यह घटना बताती है कि मतदाता सूची में गड़बड़ी केवल नाम हटाने तक सीमित नहीं है।

दिल्ली के कारोबार पर धरने-प्रदर्शनों का असर, कैट ने 4000 करोड़ के नुकसान का जताया अनुमान

नई दिल्ली। त्योहारी सीजन के दौरान दिल्ली के स्थानीय बाजारों और व्यापार पर लगातार हो रहे धरने-प्रदर्शनों, रैलियों तथा ट्रैफिक जाम की मार पड़ी है। कारोबारी संगठन कॉन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (केट) ने पिछले एक महीने से ज्यादा समय से जारी इन व्यवधानों की वजह से दिल्ली के व्यापारियों को 4 हजार करोड़ रुपये से अधिक का व्यापारिक नुकसान होने का अनुमान जताया है।

दिल्ली के चांदनी चौक से सांसद एवं कैट के राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीन खंडेलवाल ने गुरुवार को कहा कि दिल्ली में जारी धरने, प्रदर्शनों, रैलियों और यातायात में व्यवधानों से व्यापारिक गतिविधियों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है। उन्होंने कहा कि इससे अब तक दिल्ली के व्यापार को 4 हजार करोड़ रुपये से अधिक का नुकसान हो चुका है। खंडेलवाल ने इसके मद्देनजर दिल्ली भाजपा के त्रत्येक कार्यकर्ताओं से भावपूर्ण अपील की है कि वर्तमान त्योहारों के खरीदारी सीजन में दिल्ली के स्थानीय बाजारों से खरीदारी करके

व्यापारिक समुदाय को आर्थिक संबल प्रदान करें। खंडेलवाल ने कहा कि ऐसे में एक नवंबर को रामलीला मैदान में इंडिया गठबंधन की प्रस्तावित रैली को लेकर भी व्यापारियों में चिंता है। कैट महामंत्री ने आगे कहा कि राहुल गांधी को अपने राजनीतिक कार्यक्रमों के साथ-साथ दिल्ली के व्यापार, जनजीवन और यहां के लाखों लोगों की आजीविका पर पड़ने वाले इन प्रभावों के प्रति भी संवेदनशील होना चाहिए। खंडेलवाल ने आगे कहा कि राहुल गांधी और विपक्षी दलों के लिए ये केवल राजनीतिक अखाड़े का विषय है, तो भाजपा का त्रत्येक कार्यकर्ता इसको दिल्ली के व्यापारियों और मेहनत करने वाले लोगों के प्रति अपने दायित्व के रूप में देखता है।

उन्होंने कहा कि इस नुकसान का दायरा केवल दुकानदारों तक ही सीमित नहीं है। इससे छोटे व्यापारियों, रेहड़ी-पट्टी वालों, स्ट्रीट वेंडर्स, फेरीवालों, दिहाड़ी मजदूरों, हमालों, परिवहन एवं माल ढुलाई कर्मियों, कारीगरों, डिलीवरी कर्मियों

और व्यापार से जुड़े अनेक अन्य वर्गों की आय भी प्रभावित हुई है। खंडेलवाल ने बताया कि बाजारों में ग्राहकों की आवाजाही बाधित होने का असर पूरी व्यापारिक श्रृंखला पर पड़ता है, बिक्री घटती है, काम के अवसर कम होते हैं और हजारों परिवारों के सामने रोजमर्रा की जरूरतें पूरी करने का संकट खड़ा हो जाता है। खंडेलवाल ने दिल्ली भाजपा के सभी सांसदों, विधायकों, पार्षदों, प्रदेश एवं जिला पदाधिकारियों, मंडल अध्यक्षों और कार्यकर्ताओं से आग्रह किया कि वे इस त्योहारों के मौसम में कपड़े, मिठाई, उपहार, घरेलू सामान तथा अन्य आवश्यक वस्तुओं की खरीदारी दिल्ली के बाजारों से करें और अपने परिवारों, मित्रों एवं सामाजिक संपर्कों को भी इसके लिए प्रेरित करें। इस पहल में छोटे दुकानदारों, स्थानीय कारीगरों और रेहड़ी-पट्टी वालों को भी प्राथमिकता दी जाए, ताकि आर्थिक सहयोग का लाभ व्यापार से जुड़े सभी वर्गों तक पहुंचे। कैट महामंत्री ने कहा कि लोकतंत्र में शांतिपूर्ण विरोध का अधिकार महत्वपूर्ण है, लेकिन इसके साथ ही आम

नागरिकों की आवाजाही, व्यापारिक गतिविधियों और मेहनतकश लोगों की रोजी-रोटी के प्रति जिम्मेदारी उतनी ही जरूरी है। उन्होंने कहा कि त्योहारों का मौसम व्यापारियों के लिए वर्ष का सबसे महत्वपूर्ण समय होता है। ऐसे में हमारी खरीदारी किसी दुकानदार को कारोबार का सहारा, किसी मजदूर को काम और किसी परिवार को राहत दे सकती है। यह केवल खरीदारी नहीं, बल्कि अपने लोगों के साथ खड़े होने और सामाजिक जिम्मेदारी निभाने का अवसर है। खंडेलवाल ने विश्वास व्यक्त किया कि दिल्ली भाजपा का कार्यकर्ता इस अपील को जनसहभागिता के अभियान के रूप में आगे बढ़ाएगा और अपने सामूहिक प्रयासों से दिल्ली के व्यापारिक समुदाय का मनोबल बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उन्होंने कहा कि दिल्ली के व्यापारियों, छोटे कारोबारियों, स्ट्रीट वेंडर्स और मेहनतकश लोगों के साथ खड़ा होना केवल संवेदनशीलता का विषय नहीं, बल्कि हमारी आर्थिक और सामाजिक जिम्मेदारी है।

हमारे तीर्थस्थल संस्कृति, अर्थव्यवस्था**और चेतना के आधार : सतीश महाना**